लखनऊ

गुरुवार, 21 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 41
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

“जीवन में हमेशा एक दूसरे को समझने का प्रयास कीजिए परखने का नहीं, पहले लोगों ने सिखाया था, कि वक्त बदल जाता है, अब वक्त ने सिखा दिया कि, लोग भी बदल जाते हैं…

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi
NIGHT 26° Low

अब गंभीर आरोपों पर छोड़नी होगी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को कुर्सी

लोकसभा में गृहमंत्री ने पेश किए तीन अहम विधेयक, विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार एक ऐसा विधेयक लाने जा रही है, जिससे गंभीर आरोपों पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को कुर्सी छोड़नी पड़ेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार इस विधेयक को बुधवार को लोकसभा में पेश करेगी। विधेयक में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों, जम्मू-कश्मीर सहित केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्रियों को पद से हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा गंभीर आपराधिक आरोपों में उन्हें गिरफ्तार या हिरासत में भी लिया जा सकता है।

विधेयक में प्रस्तावित प्रावधानों के अनुसार अगर कोई मंत्री किसी गंभीर अपराध (5 वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध) के आरोप में लगातार 30 दिन जेल में रहता है, तो राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर उसे पद से हटा देंगे। इस मामले में अगर प्रधानमंत्री सलाह नहीं देते तो मंत्री 31वें दिन के बाद स्वतः ही पद से हट जाएंगे। कोई राज्य मंत्री 30 दिनों तक जेल में रहा, तो राज्यपाल उन्हें मुख्यमंत्री की सलाह से हटाएंगे।

अगर राज्य के मंत्री को हटाने की सलाह मुख्यमंत्री नहीं देंगे तो 31वें दिन मंत्री का पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। अगर मुख्यमंत्री खुद 30 दिन तक जेल में रहे तो उन्हें 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा, अन्यथा उनका भी पद समाप्त होगा। इसी तरह, प्रधानमंत्री अगर खुद ऐसे गंभीर आरोपों में 30 दिनों तक जेल में रहें, तो उन्हें भी 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा, अन्यथा उनका पद खुद से समाप्त हो जाएगा।

विधेयक के प्रस्तावित प्रावधान के मुताबिक अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी राज्य मंत्री सहित कोई भी मंत्री को गंभीर अपराध (5 वर्ष या उससे अधिक के कारावास) में गिरफ्तार या 30 दिनों की निरंतर अवधि के लिए हिरासत में रखा जाता है, उसे पद से हटाया जा सकेगा। प्रस्तावित विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239एए के साथ जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 में संशोधन करने का प्रयास करता है और इसमें नया खंड (4ए) जोड़ता है।

नए खंड के अनुसार, अगर किसी मंत्री को उसके कार्यकाल के दौरान लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार करके हिरासत में रखा जाएगा, तो उसे उपराज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री की सलाह पर 31वें दिन तक हटा दिया जाएगा। सलाह न देने पर खुद ही पद समाप्त होगा।

प्रस्तावित विधेयक संवैधानिक नैतिकता की रक्षा करने और निर्वाचित प्रतिनिधियों में जनता का विश्वास सुनिश्चित करने पर प्रकाश डालता है। विधेयक के अनुसार, निर्वाचित नेता लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के प्रतीक होते हैं, ऐसे में संविधान में अभी कोई प्रावधान नहीं है, जिससे किसी वर्तमान प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाया जा सके और गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया जा सके। पद पर आसीन मंत्रियों का चरित्र और आचरण किसी भी संदेह से अलग होना चाहिए।

विपक्षी सांसदों ने फाड़ी कॉपी, अमित शाह की ओर फेंके कागज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी हंगामे और नारेबाजी के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में तीन विवादास्पद विधेयक पेश किए जिसके तहत लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहने पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को हटाया जा सकता है। विपक्ष ने इस विधेयक को कठोर करार देते हुए दावा किया है कि सरकार इसका इस्तेमाल मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों की मनमानी गिरफ्तारी के माध्यम से विपक्ष शासित राज्यों को अस्थिर करने के लिए करेगी। विधेयक की प्रतियां लोकसभा में फाड़कर गृह मंत्री अमित शाह की ओर फेंकी गईं। इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष किसका विरोध कर रहा है, नैतिकता का या भ्रष्टाचार का? आख़िरकार, भारतीय राजनीति में अगर हम नैतिकता के आधार पर और भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ इस्तीफ़ा देने की बात करते हैं, और फिर क़ानून बनाने की बात करते हैं, तो विपक्ष इसका विरोध क्यों करता है? आज लड़ाई साफ़ है। भ्रष्टाचारियों के साथ कौन खड़ा है- विपक्ष; और भ्रष्टाचार से मुक्त कौन है- भाजपा। विपक्ष और संसद में हुई ऐसी कार्रवाइयों ने लोकतंत्र को शर्मसार किया है और यह भी दिखाया है कि विपक्ष भ्रष्टाचार के साथ खड़ा है और भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

संसद में 130वां संशोधन बिल पेश, ममता बनर्जी बोलीं-

न्याय व्यवस्था कमजोर कर वन मैन–वन पार्टी–वन गवर्मेंट सिस्टम की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संसद में पेश किये गये 130वां संशोधन विधेयक का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर ट्वीट कर कहा कि यह न्याय व्यवस्था कमजोर कर वन मैन-वन पार्टी, वन गवर्मेंट की तैयारी है। ममता बनर्जी ने लिखा, “मैं भारत सरकार द्वारा आज पेश किए जाने वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक की निंदा करती हूं।, मैं इसे एक ऐसे कदम के रूप में निंदा करती हूं जो एक महा-आपातकाल से भी बढ़कर है, यह भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने वाला कदम है। यह कठोर कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए मृत्यु-घंटी है।

उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के नाम पर भारतीय नागरिकों के मताधिकार का दमन करने के लिए, यह केंद्र द्वारा उठाया गया एक और अति-कठोर कदम है। ममता बनर्जी ने कहा कि यह विधेयक अब हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को समाप्त करना चाहता है। हम जो देख रहे हैं वह अभूतपूर्व है – यह विधेयक भारतीय लोकतंत्र की आत्मा पर एक हिटलरी हमले से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक न्यायपालिका को उसकी संवैधानिक भूमिका से वंचित करना चाहता है – न्याय और संघीय संतुलन के मूल में स्थित मामलों पर निर्णय लेने की न्यायालयों की शक्ति को छीनना चाहता है। पक्षपातपूर्ण हाथों में ऐसी शक्तियां सौंपकर, यह विधेयक लोकतंत्र को विकृत करता है। उन्होंने कहा कि यह कोई सुधार नहीं है। यह प्रतिगमन है – एक ऐसी व्यवस्था की ओर जहां कानून अब स्वतंत्र न्यायालयों के हाथों में नहीं, बल्कि निहित स्वार्थों के हाथों में है। यह एक ऐसा शासन स्थापित करने का एक भयावह प्रयास है, जहां न्यायिक जांच को दबा दिया जाता है, संवैधानिक सुरक्षा उपायों को ध्वस्त कर दिया जाता है और लोगों के अधिकारों को कुचला जाता है। यह उसी मानसिकता की बू आती है जिसकी दुनिया ने 20वीं सदी के सबसे काले दौर में निंदा की थी।

ओवैसी का मोदी सरकार पर वार, देश को पुलिस राज बनाना चाहती है BJP

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को इस कदम को असंवैधानिक करार दिया और भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी। ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है; यह विधेयक इसके खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट मिल जाएगी। मुख्यमंत्री को विधानसभा में हटाया जाता है।

अब्बास अंसारी पर आ गया इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला, दोषसिद्धि रद्द, सदस्यता बहाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। माफिया से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे और पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अंसारी की याचिका स्वीकार करते हुए मऊ स्थित एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट द्वारा सुनाई गई दो साल की जेल की सजा को रद्द कर दिया है। इस आदेश के साथ ही अब उनका विधायक का दर्जा बहाल हो जाएगा और मऊ सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा। मऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट ने 31 मई, 2025 को उन्हें 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान दिए गए भड़काऊ भाषणों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया था और दो साल की कैद और 3,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसी सजा के आधार पर, 1 जून, 2025 को उनका विधायक पद समाप्त कर दिया गया था। जब मऊ के जिला न्यायाधीश ने 5 जुलाई को उनकी अपील खारिज कर दी, तो अब्बास ने इस आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, उच्च न्यायालय ने 30 जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने इस मामले में अब्बास अंसारी का प्रतिनिधित्व किया, जबकि महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्रा और अतिरिक्त महाधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दलीलें दीं और किसी भी राहत का कड़ा विरोध किया। आज के फैसले के साथ, अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता पुनः प्राप्त हो गई, जो मऊ में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम है।

एशिया कप में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने पर भड़के आदित्य ठाकरे, खेल मंत्री को लिखा पत्र

मुंबई, एजेंसी। बीसीसीआई ने मंगलवार को एशिया कप 2025 के लिए टीम की घोषणा की है। सूर्यकुमार यादव टीम के कप्तान हैं, जबकि शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है। एशिया कप में पाकिस्तान के साथ भी भारत का मुकाबला होगा। इसको लेकर शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे विरोध कर रहे हैं। इसी के चलते उन्होंने खेल मंत्री मनसुख मंडाविया को भी पत्र लिखा है। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को दुबई में मुकाबला होगा। जहां एक तरफ कई फैंस इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ इस मैच को लेकर लोग विरोध भी कर रहे हैं। हालांकि, इस मैच को लेकर सरकार ने टीम इंडिया को हरी झंडी दिखा दी है।

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने भरा उपराष्ट्रपति पद का पर्चा, 9 सितंबर को है चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने आज बुधवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया। सीपी राधाकृष्णन के नामांकन के समय उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत एनडीए के कई कद्दावर नेता और अन्य सांसद उनके साथ पर्चा दाखिल करने के समय पहुंचे। बता दें कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव 9 सितंबर को होना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नामांकन पत्रों के पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक थे। नामांकन 4 सेटों में दाखिल किया गया। प्रत्येक सेट में 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों के हस्ताक्षर थे। पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक के रूप में पीएम मोदी के हस्ताक्षर होंगे, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ एनडीए नेताओं के हस्ताक्षर थे। इस तरह से ये गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है। इस तरह से इस ब्लॉक के जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से सीपी राधाकृषणन की सीधी टक्कर होगी। संसद भवन में नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान मंत्रियों और सांसदों सहित एनडीए के लगभग 160 सदस्य मौजूद थे।

गौर करें तो सीपी राधाकृष्णन को नामित करने का निर्णय केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के आवास पर एनडीए के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान सर्वसम्मति से लिया गया था। एनडीए के वरिष्ठ सहयोगी और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सर्वसम्मति से मिले समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा कि सभी उपस्थित नेताओं ने राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के लिए अपना पूरा समर्थन देने का संकल्प लिया था।

भारत संबंधों को सामान्य बनाने के लिए पहला कदम नहीं उठाएगा, जिम्मेदारी पाकिस्तान पर: थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि बार-बार विश्वासघात के बाद भारत में अब पाकिस्तान के साथ संबंध सामान्य करने की दिशा में पहला कदम उठाने की इच्छा नहीं है। उन्होंने इस्लामाबाद से अपनी धरती से संचालित आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करके ईमानदारी दिखाने का आग्रह किया। वह पूर्व राजदूत सुरेन्द्र कुमार द्वारा संपादित एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा कि भारत द्वारा 1950 में लियाकत अली खान के साथ जवाहरलाल नेहरू के समझौते से लेकर 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर बस यात्रा और पीएम मोदी द्वारा 2015 में लाहौर यात्रा जैसी कोशिशों को पाकिस्तान द्वारा शत्रुता के चलते दरकिनार किया गया।

दिल्ली के 50 से अधिक स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, दहशत फैली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के 32 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के 48 घंटे बाद फिर से 50 से अधिक स्कूलों को ईमेल के जरिए धमकी मिली है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि मालवीय नगर स्थित एसकेवी हौज रानी और करोल बाग स्थित आंध्रा स्कूल समेत 50 स्कूलों को बुधवार सुबह अज्ञात ईमेल मिले हैं। सूचना के बाद बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड की टीम मौके पर पहुंच गई। परिसर खाली करा लिया गया है। धमकी की सूचना के बाद पुलिस ने स्कूल परिसर को खाली करा दिया, जबकि कुछ बच्चों को वापस घर भेज दिया गया। अभी कुछ स्कूलों की तलाशी चल रही है, जबकि कुछ स्कूलों में संदिग्ध सामान नहीं मिला है। इससे पहले सोमवार को सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:25 बजे के बीच 32 स्कूलों ने पुलिस को फोन करके ईमेल पर धमकी मिलने की जानकारी दी थी। सोमवार को पूरे दिन तलाशी में कुछ नहीं मिला था। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, जनवरी से अब तक दिल्ली-एनसीआर के 74 शैक्षणिक संस्थानों, 70 स्कूलों और 4 कॉलेजों को बम से उड़ाने धमकियां मिल चुकी हैं। पुलिस धमकियां देने वालों को पकड़ने में असमर्थ है, क्योंकि वे ईमेल को गूगल से न भेजकर वीपीएन, डार्क वेबसाइट्स या अन्य तरीके से भेज रहे हैं। पिछले साल तो एक साथ 300 स्कूलों को धमकियां भेजी गई थीं, लेकिन पुलिस किसी धमकी भेजने वाले का पता नहीं लगा सकी।

भारतीय वायुसेना को मिलेंगे 97 नए तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना की ताकत और बढ़ने वाली है। केंद्र सरकार ने वायुसेना के लिए 97 एलसीए तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि एक उच्चस्तरीय बैठक में विमानों की खरीद को अंतिम मंजूरी दे दी गई है। 62,000 करोड़ रुपये की लागत से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) इन विमानों का उत्पादन करेगा। नए ऑर्डर के बाद वायुसेना में तेजस विमानों की कुल संख्या 180 हो जाएगी। इससे पहले वायुसेना ने 83 तेजस विमानों का ऑर्डर करीब 48,000 करोड़ रुपये में दिया था। ये नए विमान मिग-21 विमानों की जगह लेंगे। बता दें कि मिग-21 विमान पुराने हो चुके हैं और आए दिन हादसे का शिकार होते हैं। इसी वजह से इन्हें चरणबद्ध तरीके से वायुसेना से बाहर किया जा रहा है। मिग विमानों को 19 सितंबर को सेवानिवृत्त किया जाएगा।

तेजस मार्क 1ए मौजूदा तेजस विमानों का आधुनिक संस्करण हैं। इसमें बेहद ताकतवर एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे रडार लगा है, जो एक साथ कई लक्ष्यों और ठिकानों को ट्रैक कर सटीक हमला कर सकता है। इसका एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट दुश्मन के रडार और मिसाइल को चकमा देने में सक्षम है। विमान में हवा में ही ईंधन भरा जा सकता है, जो इसे ज्यादा दूरी तक उड़ान भरने में सक्षम बनाता है।

मार्क 1ए के रडार की रेंज और सटीकता पिछले संस्करण के मुकाबले कहीं बेहतर है। दुश्मन के विमानों का जल्दी पता लगाने के लिए इसमें अपग्रेडेड रडार वार्निंग रिसीवर सिस्टम लगाया गया है। इनमें नया एवियोनिक सूट, यूनिफाइड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट, सेल्फ प्रोटेक्शन जैमर, ऑनबोर्ड ऑक्सीजन जेनरेशन सिस्टम जैसी तकनीक शामिल हैं। वि मा न के कॉकपिट में भी कई बदलाव हुए हैं। स्मार्ट मल्टी फंक्शन डिस्प्ले, डिजिटल मैप जनरेटर और एडवांस रेडियो अल्टीमीटर जोड़े गए हैं।

तेजस अधिकतम 1980 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। ये एक बार में 1,850 किलोमीटर दूरी तय कर सकता है। इसमें 8 अलग-अलग तरह के हथियार लगाए जा सकते हैं।

भारी बारिश से पानी–पानी हुई मुंबई, सड़क से आसमान तक यातायात प्रभावित

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में भारी बारिश लोगों पर आफत बनकर बरस रही है। बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसके चलते ट्रेन के पहिये थम गए हैं, जबकि विमानों का मार्ग परिवर्तित करना पड़ा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को मुंबई समेत महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा तेलंगाना, बिहार में ऑरेंज अलर्ट और राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड समेत 18 राज्यों में हल्की/मध्यम बारिश होने के आसार हैं।

मुंबई में पिछले 24 घंटों में करीब 300एमएम बारिश होने से हालात बिगड़ गए हैं। मंगलवार शाम को एलिवेटेड ट्रैक पर 2 मोनोरेल ट्रेनें स्टेशनों के बीच फंस गईं, जिसके बाद 782 यात्रियों को बचाया गया। भारी बारिश के कारण 36 से ज्यादा ट्रेनें प्रभावित हुई और 14 लंबी दूरी की ट्रेनें रद्द करनी पड़ी, वहीं 16 का समय बदला गया है। कई लोकल ट्रेनों को स्थगित करना पड़ा है, जबकि 250 से ज्यादा फ्लाइट देरी से उड़ रही हैं। मौसम विभाग ने मुंबई के अलावा ठाणे, चंद्रपुर, रायगढ़ और रत्नागिरी में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों तक महाराष्ट्र में तेज बारिश होने की संभावना है, लेकिन गुरुवार से मुंबई में बारिश की तीव्रता कम होने के आसार हैं। मीठी नदी खतरे के निशान के करीब पहुंचने से निचले इलाकों में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है। खराब मौसम के चलते मुंबई विश्वविद्यालय ने बुधवार को होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं।

मानसून टर्फ, कम दबाव और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम से मध्य प्रदेश में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हो रही है। प्रदेश के 23 जिलों में झमाझम बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बारिश होने की संभावना है। फर्रुखाबाद में गंगा और रामगंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बहने से 100 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। यमुना खतरे के निशान के ऊपर पहुंचने से मथुरा और दिल्ली में हालात बिगड़ सकते हैं। बिहार में मानसून की सक्रियता बनी हुई हैं। यहां 20 जिलों में ऑरेंज और 18 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। 21 अगस्त के बाद प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में तेज बारिश होगी। राजस्थान में बारिश का जोर कमजोर पड़ गया है।

संक्षेप

'एनडीए को बहुमत पर भरोसा नहीं, इसलिए विपक्ष से कर रहे संपर्क', संजय राउत का बड़ा दावा

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने बुधवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए को अपनी संख्याबल पर भरोसा नहीं है। इसी कारण एनडीए के नेता विपक्षी दलों से समर्थन मांग रहे हैं। राउत ने सवाल उठाया कि जब बहुमत आपके पास है, तो विपक्ष से समर्थन की जरूरत क्यों पड़ रही है। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि विपक्षी गठबंधन का संख्याबल भी मामूली नहीं है। विपक्ष ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुधर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि भाजपा की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल रह चुके सी.पी. राधाकृष्णन को मैदान में उतारा गया है। राउत ने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने कई विपक्षी दलों से आधिकारिक तौर पर संपर्क किया और वोट की अपील की। राउत ने सीधे सवाल उठाया कि अगर एनडीए को संसद में बहुमत का भरोसा है, तो विपक्षी नेताओं से संपर्क करने की मजबूरी क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि यह साफ संकेत है कि एनडीए की स्थिति उतनी मजबूत नहीं है जितनी दिखाने की कोशिश की जा रही है। राउत ने आरोप लगाया कि इस बार भी सत्ताधारी गठबंधन अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने से पहले विपक्ष से संवाद करने में नाकाम रहा। संजय राउत ने भाजपा के उम्मीदवार और पूर्व राज्यपाल राधाकृष्णन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब राधाकृष्णन झारखंड के राज्यपाल थे, तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजभवन से ही गिरफ्तार किया था। राउत के अनुसार यह पूरी कार्रवाई संवैधानिक परंपराओं के खिलाफ थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राधाकृष्णन ने उस वक्त ईडी अधिकारियों को नहीं रोका और न ही संवैधानिक दायरे में अपनी भूमिका निभाई।

रेलवे का इस शहर में नया प्रयोग, पटरियों के बीच लगाया खास सिस्टम, जानें कैसे ट्रैक पर बनेगी बिजली?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे न केवल लाखों यात्रियों को रोज अपनी मंजिल तक पहुंचाती बल्कि अपने नवाचार से भी सभी को हैरान कर देती है। इस बार भी रेलवे ने कुछ ऐसा काम किया है जो देश के ऊर्जा जरूरतों के लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। रेलवे मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर आप अपनी आंखों पर यकीन नहीं कर पाएंगे। इन तस्वीरों में रेल की पटरियों के बीच में सोलर पैनल लगे हुए दिखाई दे रहे हैं और उनके ऊपर से ट्रेन का इंजन गुजर रहा है। रेलवे ने यह प्रयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में स्थित बनारस लोकोमोटिव वर्क्स के परिसर में किया गया है। यहां 70 मीटर लंबे रेल ट्रैक पर पटरियों के ठीक बीच में खाली पड़ी जगह पर 28 सोलर पैनल लगाए गए हैं। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इन पैनलों से 15 किलोवाट पीक बिजली पैदा होगी। इस बिजली का इस्तेमाल कारखाने के अंदर इंजनों को चलाने और अन्य औद्योगिक गतिविधियों के लिए किया जाएगा। यह सिर्फ कुछ सोलर पैनल लगाने का मामला नहीं है। अगर यह प्रयोग सफल होता है और इसे बड़े पैमाने पर लागू किया जाता है।

डिवाइडर से टकराकर खाई में गिरी एक्सयूवी, व्यापारी की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सुल्तानपुर जिले में 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही एक्सयूवी कार पहले डिवाईडर से टकराई, इसके बाद 12 फीट हवा में उछलकर लुढ़कते हुए सड़क किनारे 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में बेटी का इलाज कराने जा रहे लखनऊ जा रहे पिता की मौत हो गई। 4 लोग घायल हो गए, जिनमें पत्नी, बेटी, बड़े भाई और ड्राइवर शामिल हैं। हादसा ड्राइवर को झपकी आने के कारण मंगलवार देर रात पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर मंगलवार रात 1:30 से 2:00 बजे के बीच हुआ। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। टक्कर के धमाके की आवाज सुनकर आसपास के गांव के लोग मौके पर पहुंचे। कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। अस्पताल पहुंचने से पहले ही दीपक कुमार की मौत हो गई। परिवार बिहार के मोतिहारी जिले का रहने वाला है। बिहार के मोतिहारी जिले के पहनवां थाना क्षेत्र के पोखलिया गांव निवासी व्यापारी दीपक कुमार (50) अपनी बेटी पलक (22) का इलाज कराने के लिए लखनऊ के पीजीआई अस्पताल आ रहे थे। इंस्पेक्टर जयसिंहपुर सत्येंद्र सिंह ने बताया शव को पोस्टमार्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। परिवार के अन्य लोगों को सूचना दे दी गई है। बाकी परिजनों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

सुलतानपुर। आधुनिक भारत के शिल्पकार, संचार क्रांति के जनक व पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती पर मंगलवार को कांग्रेसजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शहर के तिकोनिया स्थित राजीव गांधी पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पमाल्य अर्पित किया गया। इसके उपरांत शाहगंज तिराहे पर गरीबों व बेरोजगारों के बीच लड्डु-मिठाइयाँ वितरित कर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया गया।

इस अवसर पर नि.जिला उपाध्यक्ष सिराज अहमद-भोला, पवन मिश्र, तेज बहादुर पाठक, योगेश पाण्डेय, मिर्जा अकरम वेग, प्रेम भारती, जफर अहमद, महेंद्र सिंह, अमोल वाजपेई, आर बी पाण्डेय, मानिक चन्द्र श्रीवास्तव, गुलाम मोहम्मद, शब्बू अहमद समेत सैकड़ों कांग्रेसजन मौजूद रहे। कांग्रेसजनों ने कहा कि देश की प्रगति, विज्ञान, सूचना-तकनीक और नवनिर्माण में राजीव गांधी का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

जनपद में 16 किसानों द्वारा की जा रही ड्रैगन फ्रूट की खेती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा समस्त किसान भाइयों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया जनपद के उपस्थित किसानों के द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में यूरिया नहीं मिल रही है किसान परेशान है यूरिया के साथ लघड़ लगाया जा रहा है। उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि आज से जनपद के समस्त साधन सहकारी समिति पर यूरिया खाद पहुंच रही है कुछ समितियों पर किसानों को वितरण भी हो रहा है किसानों के द्वारा अवगत कराया गया कि जिसकी जितनी खतौनी है उसी के अनुसार यूरिया मिलनी चाहिए। पशुपालन विभाग से किसानों द्वारा शिकायत किया गया कि छुट्टा जानवरों की संख्या बढ़ गई है गौशालाओं से जानवर बाहर बाहर घूम रहे हैं जिससे खेती जनहानि दोनों की परेशानी बढ़ रही है उक्त के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि गौशालाओं से किसी भी प्रकार के जानवर नहीं छोड़े जा रहे हैं जिसके लिए सभी गौशालाओं पर कैमरे का प्रबंध किया गया है जिसकी मॉनिटरिंग विकास भवन से किया जाएगा इस प्रकार की किसी भी गतिविधियां प्राप्त होती है तो उनके कार्रवाई की जाएगी। किसान दिवस में उपस्थित किसानों के द्वारा जिलाधिकारी महोदय को शिकायती पत्र प्रेषित किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के शिकायत प्राप्त हुए। अंत में जिलाधिकारी ने समस्त विभागों को गुणवत्ता युक्त शिकायतों का समय से निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया। किसान दिवस के बाद कृषक उत्पादक संगठन की बैठक की गई जिसमें उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 09 कृषक उत्पादक संगठन बनाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें चार गो के द्वारा 9 एफपीओ बनाए जाएंगे सेंटर आफ टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट के द्वारा अमानीगंज ब्लाक में कृषक विकास समिति के द्वारा हरिंगटनगंज, बीकापुर में ग्रामीण फाउंडेशन इंडिया के द्वारा मवई में अनुराग फाउंडेशन के द्वारा रुदौली, तारुन, पूरा, बाजार, मया बाजार, मिल्कीपुर में किसान उत्पादक संगठन बनाया जाएगा इसके लिए बेसलाइन सर्वे कर लिया गया है जिला समिति के अनुमोदन पर अग्रिम कार्रवाई शुरू की गई है। जनपद के विभिन्न विभाग करो से प्रगतिशील किसानों के द्वारा बैठक में प्रभावित किया गया था जिसकी अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किया गया। जनपद से आए हुए किसान राकेश वर्मा, राम लोट वर्मा, उमानाथ शुक्ला , द्वारिका प्रसाद मौर्य आदि किसानों द्वारा नई-नई तकनीक की जानकारी दी गई जिसमें उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 16 किसानों के द्वारा ड्रैगन फ्रूट कि खेती की जा रही है ड्रैगन फ्रूट को किसान भाई गोरखपुर लखनऊ इलाहाबाद आदि जगहों की मंडियां कर रहे हैं जिसमें अच्छा मुनाफा प्राप्त कर रहे हैं।

युवती की हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, दाहिने पैर में लगी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

दोस्तपुर/सुल्तानपुर। जिले के दोस्तपुर पुलिस ने बेथरा नहर के पास हुई मुठभेड़ में एक हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दो दिन पहले एक 25 वर्षीय युवती की हत्या कर शव को अम्बेडकरनगर के रेलवे स्टेशन पर लटका दिया था। बता दें कि सोमवार को अम्बेडकरनगर के अकबरपुर थाना क्षेत्र में मिरानपुर के पास रेलवे लाइन के नीचे बने गाटर की सीढ़ी पर युवती का शव मिला। पुलिस और जीआरपी की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। मृतका की पहचान सुल्तानपुर के दोस्तपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली के रूप में हुई। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह के अनुसार, मंगलवार की देर रात आरोपी आरोपी मोहम्मद शमीम पिता सिराज (28) दोस्तपुर ब्लॉक चौराहे से कादीपुर की ओर जा रहा था। बेथरा नहर पर पुलिस ने घेराबंदी की। आरोपी ने पुलिस पर फायर किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के दाहिने पैर में लगी। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है। मृतका तीन बहनों में से एक थी और उसके माता-पिता मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। परिवार वालो ने मंगलवार को केस दर्ज कराया था। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट में बताया कि उनकी 24 वर्षीय पुत्री 17 अगस्त को दोपहर 3 बजे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण लेने के लिए घर से निकली थी। शाम 8 बजे तक जब वह घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। प्रशिक्षण केंद्र में पता करने पर मालूम हुआ कि वह वहां नहीं पहुंची। परिवार के अनुसार, युवती का मोबाइल नंबर भी बंद है। जांच में पता चला कि वह मोहम्मद शमीम नाम के व्यक्ति से बात करती थी, और उसका नंबर भी अब बंद मिला था।

विश्व मच्छर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

सुलतानपुर। दिन बुधवार को केएनआईपीएसएस के प्राणिविज्ञान विभाग में विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को डॉ. अर्चना यादव ने निर्देशित किया। कार्यक्रम मे दिवस मनाए जाने के उद्देश्य और महत्व पर चर्चा की गई। इस मौके पर एम.एससी. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की साक्षी शिफा मिसकत आचल साक्षी तिवारी अंकुश अभय पांडेय साक्षी सिंह तान्या सिंह गीता शालिनी सिंह एवं निखिल आदि ने मच्छरों से होने वाले रोगों एवं इसके नियंत्रण के उपायों पर भाषण एवं चार्ट प्रस्तुति से लोंगो को अवगत कराया। छात्रों ने बताया कि मच्छर एक मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया व फाइलेरिया जैसे गंभीर रोगों का वाहक है। स्वच्छता ही मच्छरों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। हमें अपने आसपास गंदा पानी व कचरा इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। इस अवसर पर प्राणिविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार सहित डॉ. नाहिदा अंसारी एवं डॉ. रोमी आदि उपस्थित रहीं।

ताज देखने पहुंचे पर्यटक को देख चौंक गए जवान...नहीं दिया प्रवेश, युवक ने जताई नाराजगी

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। ताजमहल देखने पहुंचे कानपुर के एक पर्यटक को रोक दिया गया। उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। उनके पास एक बैग था, जिस पर श्रीराम लिखा हुआ था। बैग के साथ पर्यटक को प्रवेश करने से सीआईएसएफ के जवानों ने रोक दिया। इस पर पर्यटक ने नाराजगी जताई। इसका वीडियो भी सामने आया है।

कानपुर के रहने वाले आशीष ताजमहल देखने के लिए आगरा पहुंचे थे। वह टिकट लेकर स्मारक के गेट पर पहुंचे। उन्होंने अपने बैग को स्कैनिंग मशीन में रख दिया। पर्यटक की मानें तो तभी सीआईएसएफ जवान ने उन्हें रोक दिया। कहा कि बैग लेकर अंदर नहीं जा सकते।

उनके बैग पर श्रीराम लिखा था। आशीष ने इसको लेकर नाराजगी जताई, लेकिन जवानों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। पर्यटक ने इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। जिसमें वह कह रहे हैं कि देश में रहकर अगर अपने आराध्य का नाम लिखा बैग नहीं ले जा सकते तो ऐसे स्थान का बहिष्कार करना चाहिए।

बकरी चराने गए युवक की तालाब में डूबने से हुई मौत

लंभुआ/सुलतानपुर । लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के तेरएं गांव निवासी राजकुमार (35वर्ष)पुत्र स्व.जियालाल बकरी चराने घर के बगल ही तालाब के किनारे गया था। जहां किनारे पर पैर फिसलने से तालाब में चला गया और डूबने लगा। चीख पुकार पर ग्रामीणों ने उसे किसी तरह तालाब से बाहर निकाला। परिजनों ने युवक को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। वही इस घटना के तुरंत बाद ही युवक की बड़ी मां परभू पत्नी कलहू की भी हादसे के बाद मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि वह बीमार भी थी। युवक की बहन गीता ने बताया कि वह चार बहनों में इकलौता भाई था। वही उसकी दो पुत्री आयुषी 5 वर्ष व आशु तीन वर्ष सहित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। स्थानीय पुलिस विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

ट्रक में फंसकर तीन किमी तक खींचती रही बाइक, दो दोस्तों की दर्दनाक मौत

आर्यावर्त संवाददाता

चित्रकूट। झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रहे ट्रक ने सामने से आई बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। उसमें सवार एक युवक वहीं गिर गया, जबकि दूसरा बाइक से साथ ट्रक में फंसकर करीब 500 घिसटता चला गया। फंसा युवक ट्रक रोकने की चालक से गुहार लगाता रहा लेकिन उसने एक नहीं सुनी।

युवक के छूटने के बाद बाइक को घसीटते हुए तीन किलोमीटर भाग गया। आखिर में बाइक से उठी चिंगारी से लगी आग लग गई। जिसमें बाइक व ट्रक में तेज लपटे उठने लगी। यह देख चालक और खलासी ट्रक छोड़ कर फरार हो गए हैं। पुलिस दोनों युवकों को लेकर एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचे लेकिन मौत हो चुकी थी।

यह घटना कर्वी कोतवाली क्षेत्र के चकमाली में सम्राट ढाबा के पास मंगलवार की रात करीब 10 बजे की है। थाना मऊ के चंदहा निवासी हाल मुकाम आरटीओ आफिस के पीछे कोलगदहिया 44 वर्षीय रामसजीवन गुजरात में प्लास्टिक बोरी की ठेकेदारी करते थे। वह 16 अगस्त को घर आए थे। उनकी स्कॉर्पियो कार बेड़ी पुलिया में गैराज में बन रही थी। रामसजीवन मंगलवार की रात करीब 10 बजे आरटीओ ऑफिस के सामने रहने वाले दोस्त 28 वर्षीय मोंटी उर्फ लवकुश पुत्र श्याम सुंदर सोनी की बाइक से बेड़ी पुलिया कार लेने गया था, लेकिन कार नहीं बनी थी।

दोनों दोस्त लौट रहे थे, तभी सम्राट ढाबा के पास कर्वी की ओर से आए तेज रफ्तार ट्रक ने दाई साइड जाकर सामने से आ रही बाइक में सीधी टक्कर मार दी। जिससे बाइक चालक मोंटी छिटक कर गिर गया। जबकि रामसजीवन बाइक सहित ट्रक में फंस गया।

वह ट्रक रोकने के लिए चिल्लाता रहा। चालक ने उसकी गुहार नहीं सुनी। रामसजीवन 500 मीटर घिसटने के बाद शंकर ढाबा के पास ट्रक से छूटा। हालांकि बाइक फंसी रही। बेड़ी पुलिया के आगे डिग्री कालेज पास बाइक व ट्रक में आग गई। यह देख चालक और खलासी ट्रक छोड़कर भाग गए।

पुलिस ने राम सजीवन और मोंटी को एंबुलेंस से लेकर जिला अस्पताल पहुंची लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो घंटे से अधिक भीषण जाम रहा। हादसे के समय एसपी कार्यालय में क्राइम मीटिंग चल रही थी, सूचना मिलने पर सभी पुलिस अधिकारी व फोर्स पहुंच गया।

एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आग बुझा कर ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया था। रामसजीवन के स्वजन ने हत्या का आशंका जताई है। कहना है कि बार-बार उसके पास फोन आ रहा था।

चिल्लाने के बाद भी चालक ने नहीं रोका है। मोंटी जिला उद्योग केंद्र में कंप्यूटर ऑपरेटर था। पूर्व सांसद भैरों प्रसाद ने नो इंट्री खुलने के बाद ट्रकों की गति को लेकर प्रशासन की लापरवाही मना है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव तिरहुंत बाजार में गूंजे श्याम भजनों के स्वर

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के तिरहुंत बाजार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव प्रांगण में भव्य बाबा खाटू श्याम भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन की भक्ति लहर में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु डूब गए।

कार्यक्रम में हलियापुर श्याम संकीर्तन मंडल, देहली श्याम संकीर्तन मंडल, मुसाफिरखाना श्याम संकीर्तन मंडल, बहुरावा श्याम संकीर्तन मंडल एवं वल्लीपुर श्याम संकीर्तन मंडल सहित कई मंडलों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। संकीर्तन में सुप्रसिद्ध भजन गायक सुखम तिवारी, अंकुश शुक्ला एवं मनोज अग्रहरि ने पूरी रात भक्तों को भक्ति संगीत से सराबोर किया। संचालन प्रख्यात कवि पुष्कर सुल्तानपुरी ने किया। विशेष आकर्षण के रूप में भजन गायक अंकुश शुक्ला की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। उनके मधुर भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया और देर रात तक श्याम भक्ति का रस बरसता रहा।

वाराणसी–गोरखपुर फोरलेन पर अमिला में फ्लाईओवर बनाने की प्रक्रिया शुरू, लोगों में खुशी की लहर

आर्यावर्त संवाददाता

थानीदास (मऊ)। गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन पर घोसी तहसील के थानीदास (अमिला मोड़) पर फ्लाईओवर बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मांग को लेकर एनएचएआई गोरखपुर के पीडी ललित प्रताप पाल जीएम गोरखपुर व अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचें कर स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। शासन की पहल पर अब सर्वे शुरू होने से क्षेत्रवासी खुश हैं। वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन निर्माण के बाद सड़क पर आएदिन दुर्घटना हो रही है। फोरलेन निर्माण के बाद अमिला मोड़ पर 60 से ऊपर लोग जान गंवा चुके हैं। इसके साथ ही सैकड़ों लोग घायल हो चुके हैं। क्षेत्र के 150 गांव के लगभग तीन लाख लोगों का इस पार से उस पार आना जाना रहता है। फ्लाईओवर न होने के कारण व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा था। सामान खरीदारी करने वालों की भी समस्या बढ़ गई है। बलिया के बेल्थरा रोड व मऊ के मधुबन तथा घोसी तहसील के लोगों को मंडल आजमगढ़ से जोड़ने का मुख्य चौराहा थानीदास का अमिला मोड़ है। इस समस्या से लोगों ने नगर विकास मंत्री एके शर्मा, भाजपा विधायक रामविलास चौहान व सगड़ी विधायक डा. एचएन सिंह से अवगत कराया। क्षेत्र के दुर्गेश सिंह, महेंद्र सिंह, सुरेश सिंह, राकेश कुमार, नवल मौर्य, शैलेश बर्मा आदि ने बताया कि बीते दो साल से लगातार शासन और प्रशासन को पत्र भेजकर फ्लाईओवर निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।

घनी आबादी होने के कारण यहां से रोज हजारों लोगों का आवागमन होता है। दोनों ओर ढाई-ढाई किलोमीटर तक लोहे के गार्डर लगा देने से बाजार को दो हिस्सों में बांट दिया गया है। उत्तर और दक्षिण की ओर बने कट फोरलेन पार करते समय बीते सालों में अनेकों लोगों ने अपनी जान गंवा चुके हैं तो सैकड़ों लोग घायल चुके हैं। यही नहीं बड़राव ब्लाक के सोनाडीह निवासी व सगड़ी विधायक डा. एचएन सिंह पटेल के समक्ष भी यह मामला उठाया गया। उन्होंने भी पूरी तरह से पहल की और अब ओवरब्रिज बनने की संभावना बलवती हो गई है। ग्रामीणों ने कहा कि जनपद के जनप्रतिनिधियों ने आम आदमी के दर्द को समझा और यहां अब ओवरब्रिज निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

आगरा की जाबांज रीमा...बेटी को बचाने के लिए खूंखार जानवर से भिड़ गई, हार मानकर जंगल में भागा 'आदमखोर'

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। मां अपने बच्चों के लिए हर हद पार कर सकती है। जब संतान पर संकट आता है, तो वही सबसे बड़ी ढाल बनकर खड़ी हो जाती है। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से सामने आया है। यहां जैतपुर (बाह) क्षेत्र के नौगवां गांव में एक साहसी मां ने अपनी जान की परवाह किए बिना तीन साल की मासूम बेटी को जंगली जानवर के हमले से बचा लिया। महिला का नाम रीमा है।

घटना मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे की है, जब किसान आशीष कुमार की पत्नी रीमा अपने घर के आंगन में बर्तन धो रही थी। पास ही उनकी नन्ही बेटी अर्पिता खेल रही थी। अचानक मकान की दीवार फांदकर एक जंगली जानवर भीतर घुस आया और सीधे बच्ची पर झपट पड़ा।

बेटी को बचाने के लिए शेरनी की तरह भिड़ गई

जानवर ने अर्पिता को पकड़कर खींचना शुरू कर दिया। बेटी की चीख सुनते ही मां रीमा शेरनी की तरह उसकी ढाल बन गई। निहत्थी होने के बावजूद उसने पूरी ताकत से उस जंगली जानवर से मुकाबला किया। करीब तीन से चार मिनट तक संघर्ष चला। इस दौरान जानवर ने मां और बेटी दोनों को घायल कर दिया। लेकिन रीमा ने हार नहीं मानी और लगातार उससे भिड़ गई। आखिरकार हिम्मत और संघर्ष के आगे जानवर घबरा गया और मौके से भाग निकला।

रीमा और अर्पिता की चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग दौड़कर आ गए। ग्रामीणों ने शोर मचाया जिससे जंगली जानवर दूर जंगल की ओर भाग गया। चश्मदीदों में से कुछ ने उसे तेंदुआ बताया, जबकि अन्य ने दावा किया कि वह सियार था। वहीं, वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जैतपुर इलाके में अब तक तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई है। संभावना है कि यह कोई और वन्यजीव रहा हो।

हमले में दोनों जख्मी

हमले में तीन साल की अर्पिता के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं, जबकि रीमा को सिर और हाथों पर गहरे घाव लगे। तुरंत दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में दोनों का इलाज जारी है और चिकित्सकों के अनुसार अब उनकी हालत स्थिर है।

इस घटना ने पूरे गांव को दहला दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों और जंगल के करीब होने के कारण आए दिन जंगली जानवर इधर-उधर घूमते रहते हैं, लेकिन इस तरह घर के आंगन में आकर हमला कर देना चौंकाने वाला है। गांव के लोगों ने वन विभाग से इलाके में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा इंतज़ाम मजबूत करने की मांग की है। रीमा के साहस की हर कोई तारीफ कर रहा है। लोग कह रहे हैं कि अगर मां ने हिम्मत न दिखाई होती तो मासूम अर्पिता की जान बचाना मुश्किल हो जाता।

24अगस्त को निकाला जाएगा जुलूसे अशर-ए-सानी

आर्यावर्त संवाददाता

गोसाईगंज/सुल्तानपुर। वक़्फ़ इमामबाड़ा हयातनगर में कमेटी तमन्ना-ए-मूसा कें तत्वाधान में 104 साल पुराना एतिहासिक जुलूस जुलुसे अशर ए सानी का आयोजन 24 अगस्त को किया जिसकी तैयारी पूरी कर लीं गयी है जिसमे मजलिस को खेताब करेंगे मौलाना मोहम्मद मेंहदी आजमगढ़, सोज़ख्वानी डॉ रज़ी, जाफर मेंहदी, पेशख्वानि गाज़ी मेंहदी, क़ासिफ ज़ैदी, हुसैन मेंहदी, और तकरीर मौलाना डॉ कमर अब्बास प्रतापगढ़, और मौलाना शारिफ़ अब्बास अम्बेडकरनगर, और जुलस का संचालन ज़ाहिद काज़मी कानपूरी करेंगे जुलूस में अंजुमन हाशमी सिरसी संभल, अंजुमन दस्ता-ए-ज़ैनुल एबा, रायबरेली, अंजुमन मासूमिया लोरपुर अम्बेडकरनगर, और अंजुमन आज़ए हुसैन, अंजुमन अब्बासिया सुरौली सुल्तानपुर, अंजुमन असगरिया रजिस्टर्ड वक़्फ़ इमामबाड़ा हयातनगर, शिरकत करेगी।

कमेटी कें अध्यक्ष कायम मेंहदी चाँद ने बताया जुलूस में बड़ी संख्या में लोगो की आने की संभावना है। इसलिए प्रशासन से क़ानून ब्वस्था बिजली, पानी, साफ, सफाई,की मांग की गयी है जुलूस को शांतिपूर्वक और सफल बनाने कें लिए कमेटी कें संस्थापक डॉ.रज़ी, डॉ.हसन मेंहदी, जाफर मेंहदी, फ़रीज़ अली, सज्जाद मेंहदी ने कमेटी कें सभी सदस्यों कें साथ बैठक की और सभी को अलग अलग कार्यों की ज़म्मेिदारी दीं।

खाद की कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त

अफसरों को निर्देश- लगातार करें मॉनिटरिंग, उपलब्धता की जानकारी दी

आर्यावर्त ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। सरकार ने खाद के अनावश्यक भंडारण न करने की अपील की है। कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी दी। खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने की किसानों से अपील

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जनपद में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने जनपद में तैनात अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने, किसानों से संवाद स्थापित करने और समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। कृषि विभाग ने बताया कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है।

पिछले वर्ष से अधिक हुआ खाद वितरण

प्रदेश में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक अधिक खाद वितरण किया जा चुका है। विगत वर्ष 27.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया वितरण हुआ था, इस वर्ष अभी तक 31.62 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। डीएपी 2024 में वितरण 5.28 लाख मीट्रिक टन का रहा, इस वर्ष यह बिक्री 5.38 लाख मीट्रिक टन हुई। एनपीके उर्वरक (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटेशियम मिश्रण) का वितरण विगत वर्ष 2.07 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष 2.39 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश) 0.25 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस वर्ष 0.46 लाख मीट्रिक टन वितरित हुआ। वहीं एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का वितरण 2024 में 1.91 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष किसानों को 2.79 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है।

खाद की उपलब्धता

यूरियाः 18 अगस्त तक प्रदेश में 37.70 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता रही। इसमें से 31.62 लाख मीट्रिक टन की खरीद किसानों द्वारा की जा चुकी है।

डीएपीः 18 अगस्त तक 9.25 लाख मी. टन की उपलब्धता रही, जिसमें से 5.38 लाख मी. टन की खरीद किसानों ने कर ली है।

एनपीकेः 18 अगस्त तक 5.40 लाख मी०टन की उपलब्धता रही। इसमें से 2.39 लाख मीट्रिक टन की खरीद किसानों ने कर ली।

गत वर्ष की तुलना में 4.37 लाख मीट्रिक टन अधिक यूरिया की बिक्री

खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य पूर्ण हो गया है। मुख्य फसल धान में टॉप-ड्रेसिंग हेतु प्रतिदिन औसतन 49564 मी०टन यूरिया की खपत/बिक्री हो रही है। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 16.04% (मात्रा 4.37 लाख मी०टन) अधिक यूरिया उर्वरक की बिक्री हुई है।

राम के नाम पर सीएम की कुर्सी कुर्बान करने वाले नेता की पुण्यतिथि पर बीजेपी का मेगा प्लान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति एक प्रयोगशाला है जिसमें जात, धर्म, सांप्रदाय लगभग हर तरह के राजनीतिक समीकरण पर प्रयोग होता है। साल 2014 का लोकसभा चुनाव, 2017 का विधानसभा चुनाव, 2019 का लोकसभा चुनाव के नतीजों ने एक बात तो साफ ही कर दिया की यूपी में योगी के टक्कर का कोई नहीं। योगी आदित्यनाथ को बीजेपी का फायर ब्रांड नेता माना जाता है। पीडीए यानी की पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक फॉर्मूले के सहारे लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी को पछाड़ दिया था। इस चुनाव में सपा 37 लोकसभा सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। लेकिन अब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बहाने बीजेपी मिशन-2027 का आगाज करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर 21 अगस्त को अलीगढ़ में बीजेपी एक बड़ा कार्यक्रम करने जा रही है। इस कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सहित दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक शामिल होंगे। वक्त ऐसा भी था जब उत्तर प्रदेश की सियासत में कल्याण सिंह की तूती बोलती थी। कल्याण सिंह का जन्म पांच जनवरी 1932 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ की अतरौली तहसील के मढ़ौली गांव में हुआ। कल्याण सिंह के एक पुत्र और एक पुत्री हैं। उनके पुत्र राजवीर सिंह बीजेपी से एटा से सांसद रह चुके है। अब कल्याण सिंह की पुण्यतिथि को बीजेपी हिंदू गौरव दिवस के रूप में मना रही है। इसके साथ ही बीजेपी उत्तर प्रदेश में दो साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने और अखिलेश के पीडीए फार्मूले को काउंटर करने की कवायद में लगी है। 21 अगस्त को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 80 हजार से अधिक लोगों को एकत्रित करने की योजना बनी है। जिसके लिए कल्याण सिंह के प्रभाव वाले 40 जनपदों के साथ-साथ प्रदेश भर से लोग पहुंचेंगे।

हरिशंकरी अभियान को लेकर ब्लॉक गोसाईगंज में हुई तैयारी बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। हरिशंकरी अभियान को लेकर गोसाईगंज ब्लॉक में महत्वपूर्ण तैयारी बैठक ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा डिंपल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पूर्व में जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में 29 अगस्त को ब्लॉक के 12 गांव में दिशा के अनुसार पीपल पाकड़ बरगद के पेड़ लगाए जाएंगे। इस बैठक में ब्लॉक प्रमुख संघ जिला अध्यक्ष विनय वर्मा डिंपल, नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्रा, बीडीओ राजेश बहादुर सिंह,एडीओ पंचायत संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला, नायब तहसीलदार गुरप्रीत सिंह, संगठन मंत्री शंभूनाथ पांडे, विजयपाल सिंह, अरविंद गुप्ता, दिनेश साहू शारदा वर्मा, सचिन चौधरी सहित प्रधान रामसिंह,जीतू सिंह, देवेंद्र चौधरी व सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। लोक भारती के पदाधिकारी बृजेंद्र पाल सिंह, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोपाल उपाध्याय, संपर्क प्रमुख श्री कृष्ण चौधरी, रिटायर्ड डीएफओ प्रेम सागर त्रिपाठी ने अभियान के बारे में सभी को विस्तार से जानकारी दी कि कैसे किस प्रकार से पेड़ लगाए जाने हैं साथ ही साथ सभी को पेड़ों का महत्व भी समझाया। इस पूरे अभियान के लिए बनाई गई कमेटी में शंभू नाथ पांडे, शैलेंद्र वर्मा उर्फ हीरा सिंह, सर्वेश कुमार रावत, जगरूप सिंह व राम प्रसाद को शामिल किया गया।

दिन दहाड़े चोरों ने ताला तोड़कर की चोरी

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में बेखौफ चोर दिन दहाड़े एक घर का ताला तोड़कर मोबाइल फोन एलसीडी व नगदी चोरी कर ले गए। अवध विहार योजना राप्ती अपार्टमेंनट बी 30 एफ 1 के रहने वाले सुनील कुमार के अनुसार वह रोज की तरह 18 अगस्त को भी घर मे ताला लगाकर ड्यूटी चले गए थे।जब ड्यूटी से आये तो उनके मकान का ताला टूटा हुआ था।अंदर जाकर देखा तो एलसीडी टीवी एक मोबाइल तथा 15 हजार रुपये नगद गायब थे।जिसपर उन्होंने अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर मे चोरी किये जाने की शिकायत पुलिस से की है।जिसपर पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है।

महिला के साथ हुई टप्पेबाजी

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में बाजार गई महिला से टप्पेबाज गले की चेन व कान की बालियां लेकर फरार हो गए। एफ 1 / 17 गोमती ग्रीन्स गोमती नगर एक्सटेंशन की रहने वाली नीलम पत्नी प्रमोद कुमार पांडे के अनुसार वह 13 अगस्त को सायं लगभग 7.30 बजे अर्जुनगंज बाजार गई थी।उसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति जो शर्ट तथा पेंन्ट पहने था एवं उसके साथ मौजूद एक छोटे कद की महिला जो हरे कलर का छींटदार सूट पहने थी तथा उसके साथ मौजूद एक अन्य लड़का उनके पास पहुंचे और उनको बातों में उलझाकर व बहला फुसलाकर उनके गले की चेन तथा कान की बालियां लेकर फरार हो गए।जिसकी लिखित शिकायत उन्होंने सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस से की है जिसपर पुलिस मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

उपभोक्ताओं की संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता : ए.के. शर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा और संतोष ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिजली आज आमजन के जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ विषय है, इसलिए हर घर तक निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए अधिकारियों को केवल दफ्तरों तक सीमित न रहकर फील्ड में सक्रियता से कार्य करना होगा।ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति देखें और उपभोक्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने 1912 उपभोक्ता सेवा हेल्पलाइन का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इस नंबर पर दर्ज हर शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अनिवार्य है। शिकायतों की अनदेखी या लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई होगी।बैठक में बार-बार जलने वाले ट्रांसफार्मरों की समस्या पर गहन चर्चा हुई। मंत्री ने निर्देश दिए कि ऐसे क्षेत्रों को तुरंत चिन्हित कर ट्रांसफार्मरों का उच्चीकरण किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को बार-बार बिजली बाधित होने की परेशानी से मुक्ति मिल सके। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता लाकर उपभोक्ताओं का भरोसा जीतना ही मुख्य लक्ष्य है।ए.के. शर्मा ने स्पष्ट किया कि विभाग का उद्देश्य केवल बिजली आपूर्ति करना नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, सुरक्षित और सतत सेवा उपलब्ध कराना है। सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण, चेयरमैन आशीष गोयल, पंकज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा सभी एमडी और जनपद स्तरीय अधिकारी ऑनलाइन जुड़े रहे।

साइबर ठगों का शिकार हुई मेडिकल की छात्रा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में स्थित एक हॉस्टल में रहने वाली एमबीबीएस की छात्रा से साइबर ठगों ने कपड़े मंगवाने के नाम पर 19 हजार रुपये ठग लिए। मूल रूप से क्वाटर नं0 516 बीएलडब्लू कालोनी थाना बीएलडब्लू जनपद बनारस हाल पता रुम नं0 521 न्यू एमबीबीएस गर्ल्स हॉस्टल अपोजिट पुलिस मुख्यालय थाना सुशांत गोल्फ सिटी की रहने वाली रमीशा अली पुत्री गफ्फार अली के अनुसार वह यहां हॉस्टल में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है।उसने 09 जुलाई 2025 को इन्स्टाग्राम के पेज से कुछ कपडे आर्डर किये थे।जिनके लिए उससे 19 हजार रुपये आनलाइन जमा करा लिये गए थे।लेकिन जब आर्डर नही आया तो उसने इन्टाग्राम द्वारा मिले मोबाइल नम्बर पर फोन मिलाया तो नम्बर स्विच आफ बता रहा था।इसके बाद उसे अहसास हुआ कि उसके साथ फ्रॉड हो गया है।तब उसने इसकी शिकायत साइबर सेल व सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस से की।

गैंगस्टर एक्ट के वांछित शातिर सूरज कुमार गौतम थाना तालकटोरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

शहर में आपराधिक गिरोहों पर कड़ा शिकंजा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना तालकटोरा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत शहर के कुख्यात और लंबे समय से वांछित अपराधी सूरज कुमार गौतम (25) को गिरफ्तार कर शहर में अपराध पर कड़ी कार्रवाई का संदेश दिया है। सूरज कुमार लंबे समय से संगठित गिरोह का लीडर रहा है और चैन स्नैचिंग, लूट और अन्य आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है। पुलिस के अनुसार उसकी गिरफ्तारी से शहर के लोगों को सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी राहत मिलेगी।पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उपायुक्त अपराध, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध एवं पश्चिमी, सहायक पुलिस उपायुक्त अपराध और सहायक पुलिस आयुक्त बाजारखाला के मार्गदर्शन में थाना तालकटोरा की टीम ने कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक कुलदीप दुबे के नेतृत्व में पुलिस ने सूरज कुमार को पाल तिराहे के निकट से दबोच लिया।पुलिस के मुताबिक सूरज कुमार गौतम सुमित नगर, फरीदीपुर का निवासी है और वर्तमान में हयातनगर थाना दुबग्गा में रह रहा था। यह अपराधी अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के आर्थिक और भौतिक लाभ के लिए लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। आरोपी के खिलाफ पहले भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें थाने ठाकुरगंज और तालकटोरा में 392/411, गैंगस्टर एक्ट, 304(2)/317(2)/3(2) बीएनएस और आयुध अधिनियम जैसे संगीन अपराध शामिल हैं।गिरफ्तारी के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और उसके गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करने की योजना बनाई जा रही है। पुलिस ने बताया कि सूरज कुमार ने कई बार कानून को चुनौती दी थी और शहरवासियों में दहशत का माहौल बनाया था।थाना तालकटोरा पुलिस ने कहा कि शहर में संगठित अपराध के मामलों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक कुलदीप दुबे ने बताया कि पुलिस की सक्रियता और निस्तारण की रणनीति के कारण ऐसे कुख्यात अपराधी अब कानून की गिरफ्त में हैं।गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक कुलदीप दुबे, हेड कांस्टेबल आनन्दमणि सिंह, कांस्टेबल नवीन प्रताप सिंह और कांस्टेबल राजकुमार शामिल रहे।पुलिस अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध पर नियंत्रण रखा जा सके और शहरवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नाबालिग को बहला फुसला कर भगा ले जाने का आरोप

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में जुग्गी झोपड़ी में रहने वाले एक व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री को कुछ लोगों द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले जाने की शिकायत पुलिस से की है। मूलतः सीतापुर जिले के रहने एक व्यक्ति के अनुसार वह अपने परिवार के साथ सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में स्थित एक कॉलोनी के पास जुग्गी झोपड़ी बनाकर रहता है और एक कम्पनी में काम करता है।उसका कहना है कि उसकी 15 बर्षीय पुत्री भी उसके साथ रहती है और आसपास के घरों में काम करती है। रोज की तरह 10 अगस्त को भी वह घर से काम पर जाने के लिए निकली थी लेकिन वह काम पर नही पहुंची।उनका आरोप है कि उनकी नाबालिग पुत्री को विपिन पुत्र रामपाल व मनीष पुत्र रामपाल तथा देविकी पत्नी रामपाल निवासीगण जगनाथ पुरवा थाना महोली जिला सीतापुर द्वारा बहला फुसलाकर भगा कर ले जाया गया है।

मिस एंड मिस्टर उत्तर प्रदेश – ए टैलेंट हंट विद ए डिफरेन्स" का पोस्टर लांच

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट एसोसिएशन द्वारा आगामी माह "मिस एंड मिस्टर उत्तर प्रदेश – ए टैलेंट हंट विद ए डिफरेन्स" का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसके तहत राजधानी में पोस्टर लांच कार्यक्रम आयोजित किया गया।संस्था के सचिव वामिक खान ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल सौंदर्य या मंचीय आकर्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रतिभागियों की प्रतिभा, व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, संवाद क्षमता और सामाजिक सोच को प्रोत्साहित करना है। यह उन युवाओं के लिए अनूठा मंच है, जो अपनी कला और क्षमता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना चाहते हैं।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता पिछले 32 वर्षों से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित की जा रही है, जिसमें फिल्म जगत से जुड़ी हस्तियां भी शिरकत करती रही हैं। इस बार भी प्रतिभागियों के व्यक्तित्व और कला का समग्र मूल्यांकन किया जाएगा। इसमें नृत्य, गायन, अभिनय, फैशन वॉक, वाद-विवाद तथा सामाजिक मुद्दों पर विचार प्रस्तुति शामिल होंगे। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों के साथ-साथ राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिलेगा।पोस्टर अनावरण कार्यक्रम में पूर्व मिस उत्तर प्रदेश तनिष्क शर्मा, प्रभाती पांडे, वैष्णवी दुबे, काजल इसरानी, मनीष सिंह, दामिनी सिंह और पूर्व मिस्टर उत्तर प्रदेश देवेंद्र प्रताप सिंह, निहिल श्रीवास्तव, अंतर्राष्ट्रीय कोरियोग्राफर आफताब कुरेशी और समाजसेवी उपस्थित रहे।कार्यक्रम संयोजक एडविन मैंसी ने बताया कि संस्था लगातार युवाओं को मंच उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है।

वर्षा ऋतु में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए लखनऊ नगर निगम का विशेष सफाई अभियान शुरू

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। वर्षा ऋतु में बढ़ने वाले संचारी रोगों और वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम लखनऊ ने बुधवार से दस दिवसीय विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर यह अभियान 20 अगस्त से 30 अगस्त तक पूरे शहर में चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य है शहर को स्वच्छ और संक्रमणमुक्त बनाकर नागरिकों को स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना।अभियान के तहत नगर निगम ने शहर के 110 वार्डों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। ये अधिकारी प्रतिदिन अपने आवंटित वार्डों का दौरा कर सफाई व्यवस्था, नालियों, सीवर लाइन, कूड़ा प्रबंधन और जलापूर्ति की स्थिति का निरीक्षण करेंगे और समस्या मिलने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।बुधवार को अभियान की शुरुआत कई वार्डों में अधिकारियों की उपस्थिति में हुई। विक्रमादित्य-महात्मा गांधी वार्ड में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, लालजी टंडन वार्ड में अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव, लेबर कॉलोनी वार्ड में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, फैजुल्लागंज-द्वितीय वार्ड में मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा, मौलाना कल्बे आबिद वार्ड में मुख्य अभियंता आर.आर. मनोज प्रभात, बाबू कुंज बिहारी-ओम नगर वार्ड में नगर स्वास्थ्य अधिकारी प्रवीन श्रीवास्तव, अम्बरगंज वार्ड में मुख्य वित्त लेखाधिकारी महामिलिंद लाल, खरगापुर-सरसवा वार्ड में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह, बाबू बनारसी दास वार्ड में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी विनय राय, मशकगंज-वजीरगंज वार्ड में सहायक नगर आयुक्त विनीत सिंह, मोतीलाल नेहरू-चन्द्र भानु गुप्त नगर वार्ड में सहायक नगर आयुक्त विकास सिंह और लोहिया नगर वार्ड में सहायक नगर आयुक्त रामेश्वर प्रसाद ने सफाई का निरीक्षण किया।सुबह 7 बजे से शुरू हुए निरीक्षण में गंदगी के ढेर, सीवर लाइन की लीकेज, दूषित जल स्रोत, डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की स्थिति, खाली प्लॉट और पार्कों की सफाई तथा नालियों की दशा की जांच की गई। जहां भी गंदगी या समस्या मिली, वहां अधिकारियों ने तत्काल सफाई और समाधान के निर्देश दिए।नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बारिश में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसीलिए इस अभियान के तहत जलजमाव वाले स्थानों की नियमित जांच, कीटनाशक छिड़काव और स्वास्थ्य सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे घरों और आस-पास पानी जमा न होने दें तथा किसी समस्या की सूचना तत्काल निगम को दें।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि शहर की स्वच्छता और नागरिकों का स्वास्थ्य प्राथमिकता है। इस वर्षा ऋतु अभियान के जरिए संचारी रोगों के प्रसार को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। नोडल अधिकारी अपने वार्ड की स्थिति पर लगातार नजर रखें और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। यह अभियान 30 अगस्त तक चलेगा, जिसके दौरान सतत निरीक्षण और सुधारात्मक कार्य किए जाएंगे ताकि स्वास्थ्य संबंधी जोखिम न्यूनतम हों।

टोयोटा शोरूम में पिस्टल से मारपीट, पिता-पुत्र गिरफ्तार – पुलिस ने बरामद की हथियार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना चिनहट पुलिस ने टोयोटा शोरूम वर्कशॉप में अपनी गाड़ी की मरम्मत के दौरान एजेंसी कर्मचारी पर लाइसेंसी पिस्टल की बट से हमला करने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पिस्टल बरामद की है और पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 19 अगस्त को शोरूम के कर्मचारी ने थाना चिनहट में शिकायत दर्ज कराई कि शहाबुद्दीन (50 वर्ष) और उनका पुत्र शावेज रहीम, दोनों निवासी खैराबाद, सुल्तानपुर, हाल न्यू हैदराबाद, लखनऊ, ने उनके साथ मारपीट की, गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में बताया गया कि आरोपियों ने लाइसेंसी पिस्टल की बट का इस्तेमाल किया और कर्मचारी को डराने-धमकाने की कोशिश की।घटना की त्वरित जांच करते हुए विवेचक उपनिरीक्षक दीपक कुमार पाण्डेय ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शोरूम और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की गई, जिससे घटना की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी वर्कर के साथ हिंसक व्यवहार कर शोरूम में हड़कंप मचाने का प्रयास कर रहे थे।फौरन कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने शहाबुद्दीन और शावेज को पकड़ लिया। दोनों आरोपी अब कानूनी कार्रवाई के तहत हिरासत में हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 01 लाइसेंसी पिस्टल बरामद की। गिरफ्तार टीम में उपनिरीक्षक दीपक कुमार पाण्डेय, अभिषेक तिवारी, विशाल यादव और कांस्टेबल पूर्ण सिंह शामिल रहे।पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की हिंसा या हथियार के प्रयोग की जानकारी तुरंत नजदीकी थाने को दें। साथ ही बताया कि आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 115(2), 131, 351(3), 352 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर उनकी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि शोरूम और आसपास के इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और प्रभावित कर्मचारी की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मामले की जांच लगातार जारी है और जल्द ही आरोपियों के अन्य संभावित अपराधों की भी पड़ताल की जाएगी।

साम दाम दंड भेद पर आई आप, मनीष सिसोदिया के बयान से पार्टी की सत्ता-लोलुपता उजागर

भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) का जन्म एक क्रांति की तरह हुआ था। अन्ना आंदोलन की पृष्ठभूमि से निकली इस पार्टी ने भ्रष्टाचार-विरोधी राजनीति और जनसरोकारों के मुद्दों को केंद्र में रखकर देश की जनता को नई उम्मीद दी थी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं ने खुद को आम आदमी के सिपाही के रूप में पेश करते हुए "व्यवस्था बदलने" का वादा किया था। उस समय यह कहा गया था कि यह पार्टी व्यवस्था बदलेगी, भ्रष्टाचार मिटाएगी और राजनीति को स्वच्छ बनाएगी। लेकिन आज की हकीकत यह है कि आम आदमी पार्टी भी उसी पुरानी राजनीति के रास्ते पर खड़ी है, जिस पर चलने वाले दलों के खिलाफ उसने आंदोलन खड़ा किया था। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया कभी "शिक्षा सुधारक" के रूप में पेश किये जाते थे। स्कूलों के मॉडल की तस्वीरें खिंचवाई जाती थीं और उन्हें दिल्ली की राजनीति में "ईमानदारी का चेहरा" बताकर प्रचारित किया जाता था। लेकिन सत्ता की हकीकत अलग निकली। दिल्ली की शराब नीति घोटाले ने उनकी छवि को ध्वस्त कर दिया और उन्हें "शराब क्रांति का जनक" बना दिया। वह लंबे समय तक जेल की सलाखों के पीछे रहे और बाहर आने के बाद अपना विधानसभा चुनाव भी हार गये।

अब पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर मनीष सिसोदिया का बयान, "साम, दाम, दंड, भेद सच-झूठ जो भी करना पड़ेगा, करेंगे", साफ दिखाता है कि आम आदमी पार्टी अब सत्ता पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। मनीष सिसोदिया का बयान जनता को यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि आम आदमी पार्टी और बाकी पारंपरिक दलों में अब कोई फर्क नहीं बचा है। देखा जाये तो लोकतंत्र में चुनावी जीत का आधार जनता की सेवा और सुशासन होना चाहिए, न कि "किसी भी साधन" से सत्ता हथियाना। लेकिन आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के शब्दों से यह साफ है कि उनके लिए अब नैतिकता केवल एक खोखला नारा रह गई है।Nमनीष सिसोदिया के बयान से पंजाब की राजनीति गर्मा गयी है इसलिए अब आम आदमी पार्टी के नेता सफाई भी देते फिर रहे हैं। पंजाब के मंत्री अमन अरोड़ा कह रहे हैं कि सिसोदिया ने जो कहा वह पार्टी की विचारधारा नहीं है। यहां सवाल उठता है कि अगर पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता और अरविंद केजरीवाल के सबसे करीबी सहयोगी, ऐसा बयान देते हैं तो उसे महज़ "व्यक्तिगत राय" कैसे कहा जा सकता है? क्या यह सफाई केवल डैमेज कंट्रोल की कोशिश नहीं है?

देखा जाये तो आम आदमी पार्टी के इस बदले हुए चरित्र से लोकतंत्र को सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि जनता का विश्वास टूट गया है। जो लोग भ्रष्टाचार और व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर सत्ता में आए, अगर वही भ्रष्टाचार और सत्ता-लोलुप राजनीति का हिस्सा बन जाएँ, तो जनता किस पर भरोसा करेगी? सच यही है कि आम आदमी पार्टी अब वैसी ही राजनीति करने लगी है जैसी राजनीति करने का आरोप वह अपने शुरुआती दिनों में दूसरों पर लगाया करती थी। इस सबके चलते भारतीय लोकतंत्र एक बार फिर नैतिकता के संकट का शिकार हो रहा है। "ईमानदार राजनीति" का नारा देकर पैदा हुई आम आदमी पार्टी अब सत्ता की राजनीति में इस कदर डूब चुकी है कि उसके नेताओं की जुबान पर "साम, दाम, दंड, भेद" जैसे शब्द चढ़ गए हैं। यह वही पार्टी है जिसने जनता को बदले की राजनीति से बाहर निकलने का सपना दिखाया था। लेकिन अब लगता है, आम आदमी पार्टी का असली चेहरा वही है जिससे उसने खुद को अलग दिखाने की कोशिश की थी। और यही लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक संकेत है।

बहरहाल, मनीष सिसोदिया के बयान को लेकर पंजाब की राजनीति गर्मायी हुई है। इस बयान को विपक्षी दलों ने हाथों-हाथ लिया और चुनाव आयोग से शिकायत तक कर दी। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने तो इसे भ्रष्ट और हिंसक तरीकों की पैरवी करार देते हुए सिसोदिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। विपक्षी दलों का आरोप है कि सिसोदिया ने चुनाव जीतने के लिए अनैतिक और हिंसक रणनीतियों को स्वीकार किया है। यहां सवाल यह भी उठता है कि सिसोदिया के विवादित बयान पर पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की चुप्पी यदि आगे भी बनी रही तो क्या इसे उनका मूक समर्थन नहीं माना जायेगा?

मतों की हेराफेरी के जनक और उनके परनाती की सनक

> बकौल शम्भूनाथ टण्डन- "वर्ष 1952 में हुए प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस के एक दर्जन दिग्गज प्रत्याशी चुनाव हार गये थे, जिन्हें नेहरु ने प्रशासन पर दबाव दे कर जबरिया जितवाया था। उनमें एक तो हमारे वो चाचा जी स्वयं भी थे।"

मनोज ज्वाला

कांग्रेस के नेतागण जब चुनाव हार जाते हैं, या हारने की सम्भावना देख लेते हैं, तब वे ईवीएम में गडबडी का राग अलापने लगते हैं। हॉलाकि चुनावी मतदान के लिए ईवीएम का इस्तेमाल ही हो रहा है- पहले की तत्सम्बन्धी व्यवस्था में होती रही गडबडियों को रोकने के लिए। 'ईवीएम' की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहने वाले कांग्रेसी नेतागण अब इन दिनों मतदाता-सूची में हेराफेरी का एक नया शोर मचा रहे हैं। वे कहीं यह कह रहे हैं कि चुनाव आयोग द्वारा निर्मित सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम दर्ज हैं, तो कहीं यह कि भारतीय जनता पार्टी मतों की चोरी कर के चुनावी जीत हासिल की है और तब सत्तासीन हुई है। वे कर्नाटक में मतदाता-सूची के शुद्धिकरण की मांग कर रहे हैं, तो बिहार में आसन्न चुनाव से पहले हो रहे उक्त शुद्धिकरण का विरोध करते रहे हैं और अब जब चुनाव आयोग ने वहां के 65 लाख फर्जी मतदाओं के नामों को सूची से खारिज कर दिया है, तब वे उन्हें वापस दर्ज करने-कराने के लिए पटना की सड़कों से ले कर दिल्ली की संसद तक हंगामा बरपा रहे हैं। ऐसे तमाम कांग्रेसी नेताओं को यह जान लेना चाहिए कि चुनावी मतों की हेरा-फेरी और प्रशासनिक धाक से मतों की चोरी के व्याकरण का आविष्कार कांग्रेस के द्वारा ही किया गया है, जिसके जनक हमारे ऐतिहासिक चाचाजी ही हैं। लोकसभा के प्रथम चुनाव (1952 में) ही इस आविष्कार का सफल परीक्षण कर हमारे चाचाजी ने कांग्रेस को चुनाव जीतने का यह मंत्र दे दिया था- भविष्य में इसका प्रयोग करते रहने के लिए। जी हां, हमारे चाचाजी, अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सबसे नामदार युवा नेता के 'परनाना' जी! जिन्हें सारी दुनिया जवाहरलाल नेहरु के नाम से जानती है। आज उन्हीं का 'परनाती' उपरोक्त हंगामे का नेतृत्व कर रहा है। यह दावा मैं ऐसे ही नहीं कर रहा हूं, बल्कि उन्हीं चाचाजी के जमाने के उस प्रशासनिक अधिकारी की पुस्तक से कर रहा हूं जो उस चुनावी हेरा-फेरी में एक माध्यम बने हुए थे। उन दिनों उतर प्रदेश की सरकार के सूचना-निदेशक रहे शम्भूनाथ टण्डन ने अपने एक लेख में यह खुलासा करते हुए लिखा है कि "चुनाव में जीत-हार की हेरा-फेरी के लिए मत-पत्रों की अदली-बदली एवं 'बूथ कैप्चरिंग' जैसे हथकण्डों के मास्टरमाइण्ड थे- जवाहरलाल नेहरु।" उनके लेख का पूरा शीर्षक है- "जब विशन सेठ ने मौलाना आजाद को धूल चटाई थी, भारत के इतिहास की एक अनजान घटना।'' अखिल भारतीय खत्री महासभा द्वारा हिन्दू महासभाई नेता केशनलाल सेठ के सम्मान में प्रकाशित स्मृति ग्रंथ में संलित है उनका यह लेख। बकौल शम्भूनाथ टण्डन- "वर्ष 1952 में हुए प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस के एक दर्जन दिग्गज प्रत्याशी चुनाव हार गये थे, जिन्हें नेहरु ने प्रशासन पर दबाव दे कर जबरिया जितवाया था। उनमें एक तो हमारे वो चाचा जी स्वयं भी थे।" दिग्गज कांग्रेसियों की हार का कारण यह था कि देश-विभाजन में कांग्रेस की भूमिका और उससे उत्पन्न हालातों से देश भर में कांग्रेस-नेतृत्व के विरुद्ध जनाक्रोश उबल रहा था। तब हिन्दू महासभा देश-विभाजन के लिए नेहरु व कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए देश भर में उनके विरुद्ध वातावरण बना रखी थी और उस लोकसभा-चुनाव में प्रायः हर दिग्गज कांग्रेसी के खिलाफ अपने दमदार प्रत्याशी खडा किये हुए थी। उसने फूलपुर क्षेत्र में जवाहर लाल नेहरु के खिलाफ जाने-माने प्रखर संत प्रभुदत्त ब्रह्मचारी को खडा किया था, तो रामपुर में मौलाना आजाद के विरुद्ध वहां के लोकप्रिय नेता विशनचन्द सेठ को। कांग्रेस के बडे नेताओं को सर्वत्र कडी चुनौती मिल रही थी। किन्तु अन्तरीम सरकार की कमान चूँकि नेहरू के हाथ में ही थी, इस कारण चाचाजी ने कांग्रेस-प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए शासन-तंत्र का जम कर दुरुपयोग किया। मतदान के दौरान शासन-तंत्र ने लोकतंत्र के लिए जो किया सो तो किया ही; असली खेल तो हमारे चाचाजी मतगणना के दिन खेले। शासनतंत्र को यह पाठ पहले ही पढा दिया गया था कि लोकतंत्र की सलामती के लिए नेहरु को हर हाल में सदा ही अजेय बनाये रखना है; सो मतों की गिनती के दौरान प्रभुदत्त ब्रह्मचारी की जीत जब सुनिश्चित सी दिखने लगी, तब प्रशासनिक अधिकारियों ने अन्तिम चक्र में उनकी पेटी से 2000 मतपत्रों को निकाल कर नेहरुजी की पेटी में मिला कर गिनती पूरी कर दी। इस प्रकार हमारे चाचाजी बहुमत से चुनाव जीत गए। मालूम हो कि उन दिनों हर प्रत्याशी के लिए अलग-अलग मतपेटियां ही हुआ करती थीं, प्रत्याशी या दल के नाम किसी चिन्ह पर मुहर नहीं लगाई जाती थी, बल्कि मतपत्र को अपने पसंदिदा प्रत्याशी की पेटी में डाल देने का विधान था। इस कारण मतपत्रों की हेरा-फेरी बहुत आसानी से हो सकती थी। अपने लेख में टण्डन साहब लिखते हैं- "सेठ विशनचन्द्र के पक्ष में भारी मतदान हुआ था और मतगणना के पश्चात प्रशासन ने बाक़ायदा लाउडस्पीकरों से सेठ विशनचन्द्र को 10000 वोटों से विजयी घोषित कर दिया था। उस जीत की ख़ुशी में हिन्दू महासभा के लोग विशाल विजय-जुलूस भी निकाल चुके थे। किन्तु जैसे ही यह समाचार वायरलैस के द्वारा लखनऊ होते हुए दिल्ली पहुँचा कि मौलाना अबुल आज़ाद चुनाव हार गए, सुनते ही चाचाजी तिलमिला उठे। उन्होंने तुरन्त उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री पं. गोविन्द वल्लभ पन्त को चेतावनी दे डाली कि मैं मौलाना की हार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकता, और अगर मौलाना को आप जिता नहीं सकते, तो शाम तक मुख्यमंत्री-पद से इस्तीफा दे दीजिए। फिर क्या था ! पंतजी ने आनन फानन में मुझे (सूचना निदेशक- शम्भूनाथ टण्डन को) बुलाया और रामपुर के जिलाधिकारी से सम्पर्क कर उसे किसी भी कीमत पर मौलाना आजाद को जिताने का आदेश देने को कहा" । बकौल टण्डन, उन्होंने पंतजी से जब यह बताया कि ऐसा करने से देश में दंगे भी भड़क सकते हैं, तो पन्तजी ने कहा कि "देश जाये भाड़ में, नेहरू जी का हुक़्म है"। बकौल ट्ण्डन- "फिर तो मौलाना को जिताने के लिए रामपुर के जिलाधिकरी निर्देशित कर दिए गए। तदोपरांत रामपुर का कोतवाल जीत की बधाइयां स्वीकार कर रहे सेठ विशनचन्द्र के पास गया और कहा कि आपको डीएम साहब बुला रहे हैं। सेठ जी जब जिलाधिकारी से मिले तब उसने कहा कि मतगणना अभी-अभी दुबारा होने वाली है। हिन्दू महासभा के उस उमीदवार ने इसका कड़ा विरोध किया और कहा कि मेरे सभी कार्यकर्ता विजय-जुलूस निकाले हुए हैं, तो ऐसे में आप मेरे मतगणना-एजेंट के बिना दुबारा मतगणना कैसे कर सकते हैं? लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई। जिलाधिकारी ने सेठ जी के सामने ही उनकी मत-पेटी से हजारों मत-पत्र निकाल कर मौलाना की मत-पेटी में मिलाते हुए साफ़-साफ़ कह दिया कि सेठ जी! हम अपनी नौकरी बचाने के लिए आपकी बलि ले रहे हैं, क्योंकि यह नेहरूजी का आदेश है। असहाय बने सेठ जी देखते रह गए और जिलाधिकारी ने पूर्व घोषित चुनाव-परिणाम को रद्द करते हुए पुनर्घोषित चुनाव-परिणाम के आधार पर हिन्दू महासभा के उस प्रत्याशी को चुनाव हरा कर कांग्रेस-प्रत्याशी मौलाना अब्दुल कलाम को विजयी घोषित कर दिया"। तो इस तरह से हमारे चाचाजी अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सदाबहार युवा नेता के परनाना जी ने कांग्रेस को चुनावी जीत-हार कामंत्र प्रदान करते हुए लोकतंत्र की स्थापना का श्रेय भी बटोर लिया। बाद में विशनचन्द सेठ सन 1957 व सन 1962 में दो-दो बार हिन्दू महासभा से निर्वाचित हो कर सांसद बने, किन्तु प्रथम चुनाव में तो उनका सारा श्रम नेहरु-कांग्रेस से लोकतंत्र का पाठ पढने में ही व्यर्थ हो गया।

अजब-गजब

प्यार की अनोखी मिसाल; पति ने पूरी की पत्नी की ये अजब ख्वाहिश! वीडियो देख फटी रह गईं लोगों की आंखें

एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की एक ऐसी अनोखी ख्वाहिश पूरी की, जिसके बारे में शायद ही कोई सोच सकता है। दरअसल, महिला चाहती थी कि उसके बेडरूम की छत पर कांच का स्विमिंग पूल हो और पति ने यह करके भी दिखा दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर खूब तहलका मचा रहा है। कांच का पूल देखकर नेटिजन्स की आंखें फटी की फटी रह गई हैं।

वायरल हो रहे वीडियो में आप देखेंगे कि स्विमिंग पूल को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि निचला हिस्सा पारदर्शी है। यानी जब कोई शख्स बेडरूम में होगा, तो वह पूल में तैरते हुए लोगों को भी देख पाएगा। यह अनोखा डिजाइन घर को और भी मॉडर्न लुक दे रहा है। वीडियो में शख्स की पत्नी को कांच के पूल में तैरते हुए भी दिखाया गया है।

@jrsfurniture22 नामक इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर हुए इस वीडियो को अब तक लगभग 5 लाख लोग लाइक कर चुके हैं। हालांकि, पोस्ट पर नेटिजन्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ पूल का डिजाइन देखकर हक्के-बक्के रह गए, तो कई नेटिजन्स ने इस पर चुटकी भी ली। वीडियो देखने के लिए यहां क्लिक करें।

एक यूजर ने कमेंट किया, प्यार में इतना भी पगलाना नहीं चाहिए। दूसरे ने कहा, मैं तो यह सोचकर घबराया हुआ हूं कि अगर भूकंप आया तो बेडरूम में सोने वालों का क्या होगा। एक अन्य यूजर ने लिखा, कांच टूटा नहीं कि फाइनल डेस्टिनेशन मूवी जैसा सीन हो जाएगा भाई।

ब्लॉग

राधाकृष्णन से संसदीय परंपराओं की उम्मीद

उमेश चतुर्वेदी

1999 के आम चुनावों के बाद तमिलनाडु से चुनकर आए युवा सांसद को उसकी पार्टी की ओर से राजधानी दिल्ली में बने रहने की ताकीद की गई थी.. ऐसी ताकीद का मतलब होता है, या तो संसद की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है और उसमें सांसद का रहना जरूरी है या फिर मंत्रिमंडल का गठन और फेरबदल होने वाला है..हो सकता है कि उसका नाम मंत्री बनने की सूची में शामिल हो और उसे अचानक राष्ट्रपति भवन से बुलावा आ जाए। चूंकि लोकसभा के चुनाव जल्द ही हुए थे, लिहाजा उम्मीद थी कि वह सांसद भी मंत्री बनने वाली लिस्ट में शामिल है। लेकिन उसे बुलावा नहीं आया। बाद में पता चला कि नाम को लेकर भ्रम होने की वजह से उसकी तरह मिलते-जुलते नाम वाले सांसद को बुलावा मिल गया और वह युवा सांसद मंत्री बनने से रह गया था। इस घटना के बाद ढाई दशक की देर भले हुई, लेकिन उसे मंत्रिमंडल में भले ही जगह नहीं मिली, लेकिन अब वह देश का उपराष्ट्रपति बनने जा रहा है। जी हां,ठीक समझा आपने सीपी राधाकृष्णन की जिंदगी से जुड़ी यह घटना है। तब वाजपेयी सरकार में उनकी जगह पी राधाकृष्णन को बुलावा मिल गया और वे मंत्री बन गए थे। पी राधाकृष्णन भी उस बार तमिलनाडु से चुने गए बीजेपी के चार सांसदों में से एक थे।

सीपी राधाकृष्णन के साथ अब तक दो तरह के संयोग ज्ञात थे। वे प्रधानमंत्री मोदी की तरह दाढ़ी रखते हैं और उन्हें तमिलनाडु का मोदी कहा जाता है। दूसरा संयोग यह है कि देश के सर्वोच्च पद पर आसीन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड की राज्यपाल रही हैं, अब उपराष्ट्रपति बनने जा रहे राधाकृष्णन भी झारखंड के राज्यपाल रहे हैं। यानी अब देश के दो सर्वोच्च पदों पर झारखंड के दो पूर्व राज्यपाल होंगे। इन संदर्भों में देखें तो झारखंड दोनों के लिए शुभ रहा। जब भारतीय जनता पार्टी ने सीपी राधाकृष्णन का नाम उपराष्ट्रपति पद के लिए घोषित किया, उसके कुछ वक्त बात उनकी मां जानकी अम्माल ने बताया कि उन्होंने सीपी राधाकृष्णन का नाम देश के पहले उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के नाम पर रखा था। इसे संयोग ही कहेंगे कि सर्वपल्ली के बाद सीपी राधाकृष्णन भी देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। वैसे तमिलनाडु राज्य से उपराष्ट्रपति बनने वाली तीसरी शख्सियत होंगे।

कोयंबटूर के धमाके की चर्चा अरसे तक भारतीय राजनीति में सुनाई देती रही है। कट्टरपंथी संगठन अल्ल उम्माह ने 14 फरवरी 1998 को कोयंबटूर में ग्यारह जगहों पर बारह धमाके किए थे, जिसमें 58 लोग मारे गए और दो सौ से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इन धमाकों के निशाने पर बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, जो सीपी राधाकृष्णन के चुनाव प्रचार के लिए वहां गये थे। सीपी तभी से राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा में आ गए। तब अन्नाद्रमुक पार्टी से बीजेपी का राज्य में गठबंधन था, जिसकी वजह से कोयंबटूर लोकसभा सीट से उन्हें भारी मतों में जीत मिली। अगले साल एक वोट से वाजपेयी सरकार के गिरने के बाद जब आम चुनाव हुए तो बीजेपी ने फिर से सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया। इस बार बीजेपी का उसी द्रमुक से समझौता था, जो इन दिनों भाषा, नई शिक्षा नीति और मतदाता सूची में गहन पुनरीक्षण को लेकर बीजेपी पर हमलावर है। उस चुनाव में भी सीपी राधाकृष्णन को जीत मिली। लेकिन उसके बाद सीपी से जीत लगातार दूर रही। 2004 और 2014 एवं 2019 की प्रचंड मोदी लहर में भी उन्हें हार मिली। जबकि 2009 में उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था।

राधाकृष्णन को तमिलनाडु का मोदी क्यों कहा जाता है, इसकी भी एक कहानी है। साल 2013 में जब नरेंद्र मोदी को बीजेपी ने अगले आम चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषित किया तो उन्हें तमिल टीवी चैनलों पर बहस के लिए बुलाया जाने लगा। इसी एक बहस के दौरान उन्होंने बीजेपी का पक्ष जोरदार तरीके से रखा। उनकी बहस को देख-सुन रहे दर्शकों ने उन्हें तमिलनाडु का मोदी कहना शुरू कर दिया। देखते ही देखते, तमिल चैनल भी उन्हें तमिलनाडु का मोदी कहकर बुलाने लगे। वैसे उन्हें तमिलनाडु में सीपीआर के नाम से ज्यादा जाना जाता है, जबकि उत्तर भारत के उनके नजदीकी सर्किल में वे राधाजी के नाम से प्रसिद्ध हैं।

नरेंद्र मोदी एक दौर में अटल-आडवाणी की जोड़ी के चहेते रहे हैं। वैसे तमिलनाडु में उनकी छवि कुछ-कुछ अटल बिहारी वाजपेयी की तरह है। उनके बेटे और बेटी की शादी में कई दलों में फैली तमिल राजनीति के नेताओं की भीड़ देखते ही बनती थी। उनके हर दल के नेता से बेहतर संबंध रहे हैं। हालांकि एक दौर में अन्नाद्रमुक से उनकी ज्यादा नजदीकी रही। उनकी दोस्ती हर दल में है। शायद यही वजह है कि राज्य के सत्ताधारी द्रमुक पर दबाव बढ़ गया है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन से अलग होकर तमिल अस्मिता के नाम पर सीपीआर का समर्थन करे। लोकसभा में द्रमुक के 22 और राज्यसभा में दस सांसद हैं। अगर ऐसा होता है तो सीपीआर की जीत बड़ी हो सकती है। हालांकि द्रमुक के कई नेता उनके खिलाफ तो नहीं, अलबत्ता बीजेपी के खिलाफ बयान जरूर दे रहे हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी ने सीपीआर को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार अगले साल तमिलनाडु में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को देखते हुए बनाया है। उत्तर भारत की तरह तमिल राजनीति भी जातीय खांचे में बंटी हुई है। सीपीआर अन्य पिछड़ा वर्ग की कौंडर जाति से आते हैं। जनसंख्या के लिहाज से इस जाति का दबदबा भले ही न हो, लेकिन वह राज्य में बीजेपी का मजबूत आधार वोट बैंक है। बीजेपी उन्हें उम्मीदवार बनाकर राज्य को यह संदेश देने की कोशिश में है कि वही ऐसा दल है, जो राष्ट्रीय स्तर पर उसके प्रतिनिधि को महत्व दे सकता है। अगर द्रमुक सीपीआर का सहयोग नहीं करता तो उसके सामने बीजेपी चुनौती पेश कर सकती है। राज्य के विधानसभा चुनावों में वह कह सकती है कि तमिल अस्मिता की दुहाई देने वाले स्टालिन ने तमिल बेटे का साथ नहीं दिया। जिसका जवाब देना द्रमुक के लिए मुश्किल हो सकता है।

सीपीआर बेहद धार्मिक व्यक्ति हैं। पूजा-पाठ और शाकाहार में उनकी गहरी आस्था है। दिल्ली के तमिलनाडु भवन के बाहर भगवान मुरूगेशन का एक मंदिर है। तमिलनाडु भवन में राज्यपाल बनने के पहले सीपीआर ठहरते रहे हैं। उस वक्त उन्हें जब भी कहीं बाहर जाना होता था, मुरूगेशन के सामने मत्था जरूर टेकते थे। सादा खान-पान में सीपीआर का यकीन है। अक्सर भोजन में वे इडली और चटनी लेते देखे जा सकते हैं।

सीपीआर को 2023 में झारखंड का राज्यपाल बनाया गया। 18 फरवरी को उन्होंने शपथ ली। तब वे किंचित निराश बताए जा रहे थे। उन्हें लगता था कि उनके हाथ से सक्रिय राजनीति की डोरी पीछे छूट रही है। इसके करीब डेढ़ साल बाद यानी 31 जुलाई 2014 को उन्हें अपेक्षाकृत महत्वपूर्ण राज्य महाराष्ट्र के राजभवन की जिम्मेदारी मिली। उन्होंने अपनी मधुर मुस्कान के साथ उसे निभाया है। झारखंड का राज्यपाल रहते कुछ समय तक उनके पास तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल की भी जिम्मेदारी रही। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोदी और शाह की जोड़ी के वे विश्वासपात्र हैं। 2016 से 2020 तक कयर बोर्ड के चेयरमैन रह चुके सीपी राधाकृष्णन अब देश के दूसरे सर्वोच्च पद से कुछ कदम दूर हैं। भारतीय संसदीय परंपरा में नया उत्साह भरने की जिम्मेदारी उनके पास है। वे चाहें तो देश की राजनीति और संसदीय परंपरा को नई दिशा दे सकते हैं। जैसा उनका व्यक्तित्व है, उसमें कोई कारण नहीं कि वे सफल ना हो पाएं।

गाना सुनते ही स्टीयरिंग छोड़ ताली बजाने लगा ड्राइवर, घर में घुसा दिया ट्रैक्टर; 2 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां खानपुर थाना क्षेत्र के ददरा गांव में एक ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने घर में घुस गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना मंगलवार की शाम लगभग 6 बजे की है।

ट्रैक्टर चला रहा युवक रामप्रवेश राजभर बिहारीगंज से अनौनी बाजार की ओर जा रहा था। रास्ते में वह नशे में पूरी तरह धुत था और ऊंची आवाज में बज रहे गाने की धुन पर मस्ती में झूम रहा था। गाने की ताल पर उसने लापरवाही से स्टेरिंग छोड़ दिया और ताली बजाने लगा। तभी सामने से एक बाइक आती दिखी, जिससे बचने के लिए उसने अचानक स्टेरिंग मोड़ दी। इस तरह से स्टेरिंग मोड़ना इतना खतरनाक साबित हुआ कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पास के मकान में घुस गया और वहां मौजूद छह लोगों को कुचल डाला।

हादसे में गोपी और हरिश्चंद्र की मौके पर ही मौत

इस हादसे में गोपी प्रजापति और हरिश्चंद्र प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सोनू प्रजापति, हरिशंकर उर्फ बंडल, रोहित और राहुल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर ले जाया गया, जहां से सोनू की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। मृतक हरिश्चंद्र प्रजापति अपने परिवार के साथ मुंबई में रहते थे और कुछ दिन पहले ही गांव लौटे थे। इस हादसे ने खुशियों के माहौल को मातम में बदल दिया और पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

ट्रैक्टर चालक की बेरहमी से की पिटाई

सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। आक्रोशित भीड़ ने नशे में धुत ट्रैक्टर चालक की जमकर पिटाई की। ग्रामीणों ने गुस्से में सड़क जाम करने की भी कोशिश की, लेकिन मौके पर पहुंचे तहसीलदार और पुलिस अधिकारियों ने समझाकर लोगों को शांत कराया और थोड़ी देर बाद जाम खत्म कराया। पुलिस ने आरोपी चालक को अपनी हिरासत में ले लिया है और उसका इलाज भी करवाया जा रहा है। इस हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। गांव के लोग बताते हैं कि हरिश्चंद्र प्रजापति बेहद मिलनसार और मेहनती इंसान थे। उनकी बेटी की शादी की तैयारियों में पूरा परिवार जुटा था, लेकिन यह दर्दनाक घटना अचानक पूरे परिवार पर गाज बनकर टूट पड़ी।

डीएम की अध्यक्षता में कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की बैठक संपन्न

» डीएम की अध्यक्षता में कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की बैठक संपन्न

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। डीएम पवन अग्रवाल की अध्यक्षता में कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में डीएम ने वाणिज्य कर , स्टांप , आबकारी , विद्युत , परिवहन , नगर निकाय , बांट माप , मंडी , खनन आदि द्वारा राजस्व प्राप्ति की विस्तृत समीक्षा की गई।

उन्होंने वाणिज्य कर द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष कम राजस्व प्राप्ति का नाराजगी जताई एवं लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग वार्षिक एवं मासिक लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति का निर्देश दिया।

उन्होंने परिवहन , खनन , आबकारी आदि विभागों के अधिकारियों को सघन प्रवर्तन अभियान चलाए जाने का निर्देश दिया। बैठक में डीएम द्वारा राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा की गई। उन्होंने तहसीलवार राजस्व न्यायालय में वादों के निस्तारण की समीक्षा की एवं विशेष अभियान चलाकर राजस्व वादों के निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने निर्धारित समयावधि के भीतर आय , जाति, निवास आदि प्रमाण पत्र जारी किए जाने के निर्देश दिया।

इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व, समस्त एसडीएम, तहसीलदार , जिला आबकारी अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

महिला ने दिया ऐसे बच्चे को जन्म... चेहरा देखते ही उड़े होश, डरकर भागे माता-पिता

आर्यावर्त संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में एक महिला ने अजीब बच्ची को जन्म दिया। बच्ची का सिर सामान्य बच्चों के जैसा नहीं है। उसके सिर का आकार अलग और अजीब है। ऐसे में जैसे ही महिला ने बच्ची को जन्म दिया तो अस्पताल में नर्स और दाई भी बच्ची को देखकर एक पल के लिए डर गईं। बच्ची को जन्म देने वाली मां और उसके पिता भी बच्ची को देखकर परेशान हो गए और कुछ देर बाद अस्पताल से भाग गए।

ये मामला कुशीनगर के एक मेडिकल कॉलेज से सामने आया है, जहां एक गर्भवती महिला को लेबर पेन होने पर भर्ती कराया गया था। महिला को सोमवार को ही अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद महिला को ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया और महिला ने एक बेटी को जन्म दिया, लेकिन ये बच्ची बाकी बच्चों की तरह नॉर्मल नहीं थी। उसका रंग रूप, सिर का आकार बहुत अलग था, जिसे देखते ही खुद बच्ची की मां भी डर गई।

बच्ची को अस्पताल में छोड़कर भाग गए

स्टाफ नर्स और दाई भी बच्ची को देखकर सहम गईं और घबराहट में डरकर डिलीवरी रूम से बाहर आ गईं। हैरानी की बात तो ये है कि कुछ देर बच्ची के माता-पिता दोनों बच्ची को अस्पताल में ही छोड़कर भाग गए। बेटी को जन्म देने वाली मां बेटी के बारे में बिना कुछ सोचे उसे अस्पताल में ही छोड़कर फरार हो गई। बच्ची के माता-पिता की तलाश की जा रही है।

सामान्य बच्चों से बिल्कुल अलग है बच्ची

बच्ची को डॉक्टरों की निगरानी में ICU में रखा गया है और उसकी देखभाल की जा रही है। बच्ची की हालत बेहतर है, लेकिन उसकी शारीरिक बनावट एक सामान्य बच्चे से बेहद अलग है। इस मामले को लेकर डॉक्टरों ने कहा कि ऐसे केस में बच्चे की खास देखभाल करनी होती है। बच्ची को भी ICU में रखा गया है। उसके माता-पिता बच्ची के आंख खोलने से पहले ही उसे छोड़कर चले गए।

'नोरा फतेही जैसा फिगर बनाओ, 3 घंटे से पहले...', पति ने सुनाया अजीब फरमान, पत्नी ने करवा दी एफआईआर

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। साहब! मेरा पति मुझपर जुर्म कर रहा है। वो रोज तीन-तीन घंटे मुझसे जिम में एक्सरसाइज करवाता है, ताकि मेरा फिगर नोरा फतेही जैसा हो जाए... इतना कहकर महिला फूट-फूटकर रोने लगी। पुलिस वाले भी उसकी बातें सुनकर दंग रह गए। मामला उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का है। यहां रहने वाली महिला ने पति और ससुरालियों पर टॉर्चर के आरोप लगाए। बताया कि उसे रोज शारीरिक बनावट के लिए ताने दिए जाते हैं। उसका गर्भपात तक करवा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, मुरादनगर निवासी युवती की शादी इसी वर्ष मार्च में मेरठ के रहने वाले फिजिकल एजुकेशन टीचर से हुई। युवती का आरोप है कि शादी में उसके पिता ने 24 लाख रुपये की महिंद्रा स्कार्पियो, नकदी और लाखों के गहने उपहार में दिए। शादी में 75 लाख रुपये का खर्च आया। आरोप है कि इतना खर्चा करने के बाद भी युवती को परेशान किया जाने लगा।

पत्नी आरोप लगाया- शादी के बाद पहली ही रात पति मेरे साथ नहीं सोया। बल्कि, बहाना बनाकर अपने माता-पिता के कमरे में चला गया। पति का शादी के बाद से ही मेरे साथ रवैया कुछ अच्छा नहीं था। मेरी हाईट नॉर्मल है। दिखने में बहुत ज्यादा सुंदर नहीं हूं। पति को मेरी शारीरिक बनावट से इतनी नफरत थी कि वो रोज मुझे ताने मारता था। उसके घर वाले भी मुझसे और ज्यादा दहेज की मांग करते थे। पति कहता था कि मुझसे शादी करके उसकी जिंदगी खराब हो गई। कहता था कि उसे तो नोरा फतेही जैसी कोई भी खूबसूरत लड़की मिल सकती थी।

पीड़िता ने कहा- पति मुझे रोज जिम भेजने लगा। वो भी तीन-तीन घंटे के लिए कहता था कि नोरा फतेही जैसा फिगर बनाओ। किसी दिन अगर कम समय कसरत की तो मुझे खाना भी नहीं दिया जाता था। विवाहिता का ये भी आरोप है कि एक दिन पति एक युवती से चैट कर रहा था जब उसने देखा और विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई।

चुपके से दे दी अबॉर्शन की दवा

युवती का यह भी आरोप है कि जब उसे अपने गर्भवती होने का पता चला तब उसने सास से यह बात साझा की। लेकिन उन्होंने कोई रूचि नहीं दिखाई। पति ने एक दिन उसे एक गोली भी खिला दी, जिसके विषय में युवती ने बाद में ऑनलाइन जानकारी की। तब पता चला कि गोली गर्भपात के लिए प्रयोग की जाती है। तबीयत खराब होने पर युवती के परिजन उसे मायके लेकर आ गए। वहां तबीयत खराब होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने बताया कि उनका गर्भपात हो गया है।

ससुराल में घुसने नहीं दिया गया

जुलाई के आखिरी सप्ताह में युवती जब स्वजन के साथ ससुराल गई तो उसे घर में नहीं घुसने दिया गया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत बेनतीजा रही। परेशान होकर युवती ने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज उत्पीड़न, जानबूझकर अपमानित करने और गर्भपात के आरोप में महिला थाने में मामला दर्ज कराया है।

पेंशन के लिए दिया आधार, दिव्यांग को मिला 86 लाख का जीएसटी नोटिस... क्या है पूरा मामला?

आर्यावर्त संवाददाता

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले से फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। यहां के एक दिव्यांग दृष्टिहीन युवक को 86 लाख रुपये का जीएसटी नोटिस मिला है। पीड़ित ने महराजगंज के डीएम को लिखित शिकायत दी है और बताया कि उसके नाम पर बिना जानकारी के फर्म रजिस्टर है। अब इस फर्म के नाम पर उसके ऊपर 86 लाख रुपये का जीएसटी का बकाया थोप दिया गया है।

मामला बृजमनगंज थाना क्षेत्र के करमहा गांव का है। यहां के रहने वाले दिव्यांग दृष्टिहीन बबलू ने डीएम को शिकायत की। बबलू ने बताया कि वह जन्म से ही विकलांग है और आर्थिक रूप से बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है। पीड़ित ने बताया कि करीब दस वर्ष पहले उसके गनशपुर गांव के अग्रहरी ट्रेडर्स के मालिक आदेश अग्रहरी का बेटा बासुदेव अग्रहरी और उसके मुनीब-रजनीश ने विकलांग पेंशन दिलवाने के नाम पर उससे उसका डॉक्यूमेंट ले लिए। 5-6 महीने तक टालमटोल करने के बाद भी जब पेंशन खाते में नहीं आया। इस पर पीड़ित ने कई बार उनसे पूछताछ की, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

दृष्टिहीन युवक को 86 लाख GST नोटिस

इस बीच 29 जून 2025 को उसके घर पर अमीन नोटिस लेकर पहुंचा और बताया कि उसके नाम से वर्ष 2016-17 का 86 लाख रुपये का जीएसटी बकाया दर्ज है। यह सुनकर दृष्टिहीन युवक के पैरों तले जमीन खिसक गई। बबलू ने बताया कि वह न कभी किसी फर्म का मालिक रहा और न ही किसी तरह के व्यापार से उसका कोई लेना-देना है। उसके पास इतना सामर्थ्य भी नहीं कि कोई व्यापार कर सके। नोटिस मिलने पर वह अग्रहरी ट्रेडर्स के पास गया। उसने अग्रहरी ट्रेडर्स के मालिक आदेश अग्रहरी से पूछताछ की तो उसने नोटिस लेकर यह कहकर निपटा दिया कि गलती से तुम्हारे नाम पर चला गया है।

आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

सब ठीक हो जाएगा। साथ ही सारा दोष अपने मुनीब- रजनीश उर्फ राजन पर डाल दिया। पीड़ित का कहना है कि गांव के संभ्रांत व्यक्तियों और अधिवक्ताओं से राय लेने के बाद साफ हो गया कि अग्रहरी ट्रेडर्स के मालिक व उसके मुनीब ने योजनाबद्ध तरीके से उसके नाम पर फर्जीवाड़ा किया है। पीड़ित बबलू ने जिलाधिकारी महराजगंज से मांग की है कि धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उसके नाम पर जारी जीएसटी रिकवरी नोटिस को निरस्त कराया जाए। साथ ही बैंक खाते और अन्य दस्तावेजों में हुए फ्रॉड की जांच कराकर दोशियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कि जाएं।

हाईकोर्ट में बांके बिहारी मंदिर के नियंत्रण के लिए लाए गए अध्यादेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई टली

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए सरकारी ट्रस्ट बनाने वाले अध्यादेश की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। याचिका के माध्यम से उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 को चुनौती दी गई थी। जब मामला सुनवाई के लिए आया तो राज्य सरकार ने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि संबंधित अध्यादेश राज्य विधानमंडल द्वारा पारित किया जा चुका है और राज्यपाल की स्वीकृति की प्रतीक्षा में है, इसलिए या तो याचिका में संशोधन किया जाना चाहिए या एक नई याचिका दायर की जानी चाहिए। इस आपत्ति पर न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को उचित याचिका दायर करने की अनुमति देते हुए मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

बेटी को बॉयफ्रेंड के साथ खेत में देख पिता हुआ आग बबूला, ले ली जान... पुलिस को बताई पूरी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के जसराना थाना क्षेत्र के ग्राम नगला जाट में मंगलवार को हुई किशोरी की हत्या को लेकर सनसनीखेज खुलासा हुआ है। खेत में बरामद हुए 17 वर्षीय किशोरी के शव की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। जांच मे सामने आया है कि पिता ने ही अपने बेटी की हत्या की थी।

इस हत्या के पीछे पारिवारिक सम्मान का मामला सामने आया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि किशोरी नेहा का पड़ोसी गांव के एक युवक से प्रेम संबंध था। सोमवार देर रात वह युवक से मिलने खेतों की ओर गई थी। इसी दौरान लड़की का पिता इन्द्रपाल भी उसकी तलाश करता वहां पहुंच गया।

बेटी को उतारा मौत के घाट

बेटी को युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखकर वह बेकाबू हो गया। गुस्साए पिता ने कुल्हाड़ी से वार कर अपने ही बेटी की हत्या कर दी। घटना के बाद इंद्रपाल घर लौट आया और वापस सो गया। सुबह ग्रामीणों ने खेत में युवती का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पिता इन्द्रपाल को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है।

पुलिस जांच में खुली पोल

फिलहाल आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई। गांव वालों का कहना है कि मृतका का पिता इंद्रपाल का व्यवहार हमेशा से अजीब रहा। किसी को यकीन नहीं हो रहा था कि कोई पिता अपनी बेटी के साथ ऐसा भी कर सकता है। घटना के बाद से युवती के परिवार में शोक का माहौल है। गांव वाले भी घटना से स्तब्ध है। पुलिस इस मामले में सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सियासी खींचतान! सहयोगी आरएलडी की बढ़ती सक्रियता से भाजपा विधायकों की नींद उड़ी

आर्यावर्त संवाददाता

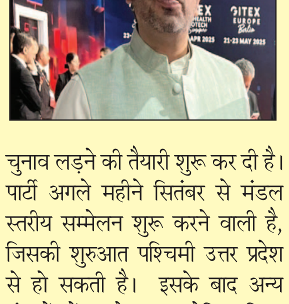

मेरठ। उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों पश्चिमी यूपी और ब्रज क्षेत्र की कई विधानसभा सीटों पर हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) की नजरें आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मथुरा, आगरा, अलीगढ़, हाथरस, शामली, बागपत, मेरठ, मुजफ्फरनगर और बिजनौर जैसे क्षेत्रों पर टिकी हैं। आरएलडी की बढ़ती सक्रियता ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कई विधायकों की बेचैनी बढ़ा दी है, जिन्हें डर है कि गठबंधन की सियासत में उनकी सीटें आरएलडी के खाते में जा सकती हैं। आरएलडी का चुनाव चिन्ह 'हैंडपंप' आज की तारीख में इन विधायकों के लिए नींद उड़ाने वाला बन गया है।

कयास लगाए जा रहे हैं कि राष्ट्रीय लोकदल ने प्रदेश में अकेले ही पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी अगले महीने सितंबर से मंडल स्तरीय सम्मेलन शुरू करने वाली है, जिसकी शुरुआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हो सकती है। इसके बाद अन्य मंडलों में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कहा जा रहा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय जल्द ही मंडल स्तरीय सम्मेलन की तारीखों का ऐलान करेंगे। आरएलडी ने पंचायत चुनाव में अकेले उतरने की तैयारी में लगी है और इसके लिए पार्टी ने छह सदस्यीय एक समिति का गठन भी कर दिया है।

आरएलडी की नजरें पुरानी ताकत पर

आरएलडी अभी एनडीए के साथ केंद्र और राज्य दोनों जगहों पर गठबंधन में है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी केंद्र में मंत्री हैं, जबकि अनिल कुमार प्रदेश में योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। आरएलडी के अकेले पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी के ऐलान से एनडीए के अंदर खलबली दिख रही है।

जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी पश्चिमी यूपी की उन सीटों पर दावा ठोक रही है, जहां उसका पहले मजबूत आधार रहा है। इनमें ऐसी सीटें शामिल हैं, जहां आरएलडी ने पहले जीत हासिल की थी या वह फिर दूसरे स्थान पर रही थी। उदाहरण के लिए, हाथरस की सादाबाद सीट पर आरएलडी का कब्जा रहा है। इसके अलावा, छाता में आरएलडी नेता तेजवीर सिंह और मांट में आरएलडी कोटे के एमएलसी योगेश नौहवार की सक्रियता ने बीजेपी के स्थानीय नेताओं को असहज कर दिया है। इसी तरह आगरा की फतेहपुर सीकरी सीट पर भी आरएलडी की गतिविधियां काफी बढ़ गई हैं, हालांकि यहां मौजूदा बीजेपी विधायक चौधरी बाबूलाल खुद पूर्व में आरएलडी से विधायक और मंत्री रह चुके हैं।

बीजेपी में बेचैनी, बागी तेवर

आरएलडी की सक्रियता से नाराज बीजेपी के कुछ विधायकों ने बागी तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने हाल ही में आरएलडी को लेकर तीखा बयान दिया, जिसे कई विधायकों का भावनात्मक समर्थन मिला। हालांकि, इस बयान ने गठबंधन के मोर्चे पर बीजेपी को असहज कर दिया। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने इसे लक्ष्मीनारायण की निजी राय बताकर मामले को शांत करने की कोशिश की, लेकिन इस विवाद ने सियासी हलकों में नई चर्चा को जन्म दे दिया है। पार्टी से जुड़े कई नेता यह दलील दे रहे हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में आरएलडी के साथ गठबंधन से पार्टी को कोई खास लाभ नहीं हुआ। मांट से बीजेपी के विधायक राजेश चौधरी ने हाल ही में शिला पट्टिकाओं को लेकर मुख्यमंत्री से शिकायत की, जो आरएलडी की सक्रियता से उपजे तनाव का संकेत है।

सियासी गंगा में अभी बहेगा पानी

हालांकि विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन आरएलडी और बीजेपी के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान शुरू हो चुकी है। आरएलडी जहां अपने पुराने गढ़ों को फिर से हासिल करने की रणनीति बना रहा है, वहीं बीजेपी के स्थानीय नेता अपनी सीटें बचाने के लिए जोर-आजमाइश में जुट गए हैं। कुछ विधायकों का कहना है कि वे जरूरत पड़ने पर 'हैंडपंप का पानी' पीने को भी तैयार हैं, यानी आरएलडी में जाने से भी परहेज नहीं करेंगे। सियासी जानकारों का मानना है कि गठबंधन की यह खींचतान आगामी चुनावों में दोनों दलों के लिए चुनौती बन सकती है। आरएलडी की जाट और किसान वोट बैंक पर पकड़ पश्चिमी यूपी में उसकी ताकत है, जबकि बीजेपी का संगठनात्मक ढांचा और केंद्र-राज्य सरकार की योजनाएं उसका मजबूत पक्ष हैं। अब देखना यह है कि यह सियासी हैंडपंप कितना पानी उलीचता है और गठबंधन की नैया कैसे पार लगती है।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की झांकियों से सजा नगर

आर्यावर्त संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर)। उतरौला नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इस समय भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। छह दिनों तक चलने वाला श्रीकृष्ण जन्मोत्सव महोत्सव धूमधाम और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। नगर के प्रमुख मंदिरों और पूजा पंडालों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की झलक साफ दिखाई दे रही है। श्री दुखहरण नाथ मंदिर, श्री शिव मंदिर (गोंडा मोड़), श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर, श्री हनुमानगढ़ी मंदिर, श्री ठाकुरद्वारा मंदिर, गांधीनगर पुलिस चौकी क्षेत्र, अलावलपुर मोहल्ला, गुप्ता टेंट हाउस, ज्वाला महारानी मंदिर, गुन्ने हलवाई और बस स्टॉप परिसर सहित नगर के दर्जनों स्थलों पर सुंदर पूजा पंडाल सजाए गए हैं। इन सभी पंडालों में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ी विविध झांकियां प्रस्तुत की जा रही हैं। विशेष रूप से बाल कृष्ण की माखन चोरी, कालिया नाग दमन, गोवर्धन लीला, रासलीला और भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग से संबंधित आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इन झांकियों को देखने के लिए प्रतिदिन शाम से देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सभी भक्ति भाव से झांकियों का अवलोकन कर रहे हैं और भगवान श्रीकृष्ण के भजन-संकीर्तन में शामिल होकर भक्तिमय वातावरण का अनुभव कर रहे हैं। पूजा पंडालों में सुंदर सजावट, रोशनी और भजन-कीर्तन से पूरा नगर आलोकित हो उठा है। जगह-जगह भजन मंडलियां भगवान श्रीकृष्ण की महिमा गा रही हैं, जिससे भक्तों के मन आह्लादित हो रहे हैं। इस अवसर पर नगर में सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रखी गई है ताकि श्रद्धालु बिना किसी व्यवधान के धार्मिक अनुष्ठान और झांकियों का आनंद ले सकें।

73% महिलाएं रोज जीती हैं दूसरों का स्ट्रेस, जानें इस आदत के पीछे की सच्चाई

अपने परिचितों और रिश्तेदारों की परेशानियों से विचलित होना आपके सहृदय होने की निशानी है, लेकिन क्या आप इस तरह की परेशानियों का हल ढूंढती हैं या खुद चिंतित हो जाती हैं?

घड़ी का अलार्म बजते ही श्रेया रोज की तरह अपनी दिनचर्या में जुट गई। वह सब कुछ सहजता से संभाल रही थी, तभी भाई का फोन आया। उसने बताया कि फिर से उसका जॉब में सेलेक्शन नहीं हुआ। यह सुनकर श्रेया का मन बेचैन हो गया। अमेरिका की मार्केट रिसर्च कंपनी टॉकर रिसर्च का हाल ही का अध्ययन बताता है कि 73 प्रतिशत महिलाएं अपने प्रियजनों की चिंता में मानसिक और शारीरिक रूप से भागीदार बनती हैं। वे सिर्फ सहानुभूति नहीं जतातीं, बल्कि मदद के लिए सक्रिय भी होती हैं।

क्यों होती है चिंता

दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों की चिंता करना स्वाभाविक है, लेकिन महिलाएं इसमें भावनात्मक रूप से अधिक गहराई से जुड़ जाती हैं। अध्ययन के अनुसार, इसका एक बड़ा कारण सामाजिक दबाव और रिश्तों की जिम्मेदारी है। महिलाओं को डर होता है कि अगर वे संकट में अपनों का साथ नहीं देंगी तो समाज में उनकी छवि खराब हो जाएगी। साथ ही अगर आज वे दूसरों के दुख में शरीक नहीं होंगी तो कल उनके साथ कौन होगा। महिलाएं रिश्तों को लेकर पुरुषों की तुलना में अधिक संवेदनशील होती हैं, इसलिए दूसरों के तनाव में भी खुद को सहज रूप से शामिल कर लेती हैं।

अपना दुख साझा न करना

महिलाएं दूसरों के दुख को अपने दिल में समेट लेती हैं और अक्सर अपनी भावनाओं को छुपा कर रखती हैं, ताकि परिवार में कोई परेशानी न हो। अध्ययन के अनुसार, केवल 18 प्रतिशत महिलाएं अपनी चिंता पति या परिवार के साथ साझा करती हैं। 52 प्रतिशत महिलाएं अंदर से परेशान होने के बावजूद बाहर से ठीक होने का दिखावा करती हैं। वे यह सोचती हैं कि वे अकेले ही समस्या का समाधान निकाल लेंगी, भले ही इसके लिए उन्हें भीतर से बहुत घुटन सहनी पड़े। इस वजह से उनकी मानसिक चिंता और तनाव बढ़ जाता है।

ये स्वभाव का मामला है

चिंता करना महिलाओं के स्वभाव का हिस्सा है। बच्चे को मामूली चोट लगने पर भी घर की महिलाएं सबसे पहले और ज्यादा चिंता जताती हैं। यहां तक कि जब कोई बाहरी तनाव न भी हो, तब भी महिलाएं किसी न किसी व्यक्तिगत चिंता में डूबी रहती हैं। अध्ययन बताता है कि एक सामान्य महिला रोजाना औसतन पांच घंटे तनाव में बिताती है, खासकर युवा पीढ़ी की महिलाएं, जैसे जेनरेशन जेड (1997-2012 के बीच जन्मीं) और मिलेनियल (1981 से 1996 के बीच जन्मीं) प्रतिदिन लगभग छह घंटे तनाव महसूस करती हैं।

कब शुरू होता है तनाव

आज की कामकाजी महिलाओं की जिंदगी एक दौड़ती ट्रेन जैसी हो गई है, जिसमें एक काम खत्म होते ही दूसरा शुरू हो जाता है। अध्ययन भी बताता है कि 15 प्रतिशत महिलाएं बिस्तर से उठते ही तनाव महसूस करती हैं, जबकि 10 प्रतिशत सुबह के कामकाज के दौरान तनाव में आ जाती हैं। ऐसे में अगर किसी दोस्त या रिश्तेदार की परेशानी से जुड़ा कॉल या मैसेज आ जाए तो मानसिक बोझ और बढ़ जाता है। यह स्थिति खासकर जेनरेशन एक्स (1965-1980 के बीच जन्मीं) की महिलाओं में सबसे लंबे समय तक बनी रहती है।

ये 'कॉग्निटिव डिस्टॉर्शन' है

गंगाराम अस्पताल, दिल्ली में क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. आरती आनंद बताती हैं, परिवार, रिश्तेदार या दोस्तों की चिंता से परेशान होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि महिलाएं दूसरों की परेशानी को अपने साथ जोड़कर सोचने लगती हैं। मसलन, यदि किसी के पति का एक्सीडेंट हो जाए तो वे यह कल्पना करने लगती हैं कि अगर यह घटना उनके साथ होती तो क्या होता। यह सोच उन्हें और अधिक मानसिक तनाव में डाल देती है। इसे 'कॉग्निटिव डिस्टॉर्शन' कहा जाता है। ऐसी स्थिति में नकारात्मक सोचने के बजाय अगर संभव हो तो पीड़ित की मदद करने पर ध्यान दें। साथ ही तनाव कम करने के उपाय अपनाएं, जैसे कि मन की बात दोस्तों से साझा करना या डायरी में लिखना। पॉजिटिव सोचें और भविष्य की कल्पनाओं में उलझने की जगह वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करें।

ये फ्री वाला उपाय डायबिटीज हो या कोलेस्ट्रॉल सभी में लाभकारी, आप भी कर दीजिए शुरू

हमारे घरों के आस-पास कई ऐसी प्रभावी और कारगर औषधियां उपलब्ध होती हैं, जिनको अध्ययनों में सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी बताया गया है। तुलसी उनमें से ही एक है जिसे आयुर्वेद के साथ मेडिकल साइंस ने भी फायदेमंद पाया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि इसमें ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को मजबूत बनाते हैं, बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ाते हैं और दिमाग को शांत रखते हैं। तुलसी शरीर के लिए प्राकृतिक दवा की तरह काम करती है।

तुलसी की पत्तियों और इसके अर्क के प्रभावों को लेकर किए गए तमाम अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि शुगर हो या ब्लड प्रेशर, हृदय रोग हो या मानसिक स्वास्थ्य की समस्या ये सभी में लाभकारी है। इससे लाभ प्राप्त करने के सबसे अच्छा तरीका है कि आप हर रोज तुलसी की चाय पीना शुरू कर दें। ये आसान सा उपाय आपको कई बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने वाला हो सकता है।

शुगर-हार्ट की बीमारियों से हो सकता है बचाव

डायबिटीज मौजूदा समय की एक बड़ी समस्या है। शोधकर्ताओं ने पाया कि तुलसी शुगर को नियंत्रित करने में मदद करती है। तुलसी का नियमित सेवन ब्लड शुगर को कम करता है और इंसुलिन को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। लेकिन अगर आप शुगर की दवा लेते हैं तो बिना डॉक्टर की सलाह के ज्यादा तुलसी का सेवन न करें।

इसी तरह दिल की सेहत को ठीक रखने के लिए भी तुलसी अच्छी मानी जाती है। यह बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को कम करती है और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में सहायता करती है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा घट सकता है। हालांकि, यह दवा का विकल्प नहीं है, बल्कि एक सहायक उपाय है।

तुलसी की चाय में मौजूद गुण पेट की समस्या, तनाव और सांस संबंधी समस्याओं में लाभ पहुंचाने में मदद करते हैं। इसे आहार में शामिल करने से कई समस्याओं से राहत मिल सकती है। तुलसी में एंटीवायरस, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। इसके साथ ही इसमें विटामिन ए. सी फॉस्फोरस, कैल्शियम भी होते हैं, जिनकी हमारी सेहत को नियमित रूप से आवश्यकता होती है। चूंकि तुलसी हमारे घरों के आसपास आसानी से उपलब्ध होती है ऐसे में फ्री वाले इस उपाय से आप कई बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

तुलसी के इन फायदों को भी जानिए

एक शोध के अनुसार, तुलसी में पोटैशियम पाया जाता है, जो रक्तचाप को कम करने में उपयोगी है।

तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं साथ ही त्वचा के संक्रमण से भी बचाव करते हैं।

इस चाय में मौजूद एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण सूजन को दूर करने में उपयोगी है। इसके एंटी आर्थराइटिस गुण गठिया में राहत पहुंचा सकते हैं।

> तुलसी की पत्तियों और इसके अर्क के प्रभावों को लेकर किए गए तमाम अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि शुगर हो या ब्लड प्रेशर, हृदय रोग हो या मानसिक स्वास्थ्य ये सभी में लाभकारी है।

तुलसी का अर्क या इसकी चाय के सेवन से सांस संबंधित समस्याएं दूर होती है। इससे कफ को बाहर निकालने में भी मदद मिलती है।

आहार विशेषज्ञ कहती हैं वैसे तो तुलसी बहुत फायदेमंद है पर इसकी चाय का सेवन अधिक मात्रा में नहीं करना चाहिए, वरना नुकसान भी हो सकता है। यदि कोई स्पेशल डाइट फॉलो कर रहे हैं तो इसे डाइट में शामिल करने से पहले आहार विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

स्ट्रेस-एंग्जाइटी भी कम करती है तुलसी

स्ट्रेस की समस्या से परेशान लोगों के लिए भी अच्छी खबर है। वैज्ञानिकों की टीम ने एक अध्ययन में पाया कि तुलसी का सेवन कोर्टिसोल हार्मोन के स्तर को 36% तक कम कर सकता है, ऐसे में तनाव से बचे रहने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। प्रतिभागियों पर 8 सप्ताह तक किए गए परीक्षण में विशेषज्ञों ने पाया कि ये उपाय स्ट्रेस-एंग्जाइटी से बचाए रखने और इसके मरीजों की सेहत में सुधार के लिए बहुत असरदार हो सकता है।

आखिर क्यों होते हैं शरीर पर फोड़े और फुंसी? जानें इसके पीछे की तीन बड़ी वजहें

अक्सर कुछ लोग फोड़े और फुंसी की वजह से परेशान रहते हैं। इसको लेकर बहुत लोगों के मन में सवाल रहता है कि आखिर ये परेशानी क्यों हो रही है। आइए इस लेख इसी के बारे में समझने की कोशिश करते हैं।

फोड़े और फुंसी होना एक बहुत ही आम बात है, जिससे अक्सर कुछ लोग परेशान रहते हैं। यह समस्या सामान्य तौर पर छोटे बच्चों में देखने को मिलती है। शरीर पर फोड़ा होना एक सामान्य बात जरूर है, लेकिन अगर समय रहते हैं ध्यान न दिया तो यह गंभीर हो सकता है। फोड़े लाल सूजे हुए और पस से भरे हुए उभार होते हैं जो आपके स्वास्थ्य के बारे में कई महत्वपूर्ण संकेत भी देते हैं।

फोड़े और फुंसी तब बनते हैं जब बैक्टीरिया हमारे रोमछिद्रों में घुस जाते हैं और संक्रमण फैलाते हैं। इस संक्रमण से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया करती है, जिससे सूजन और पस का बनने लगता है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि सिर्फ बैक्टीरिया ही इसके लिए जिम्मेदार नहीं होते। हमारी कुछ आदतें, स्वास्थ्य संबंधी स्थितियां और पर्यावरणीय कारक भी फोड़े-फुंसी के होने का खतरा बढ़ाते हैं। इन कारणों को जानकर और उनसे बचकर हम अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं। आइए जानते हैं इसके पीछे की तीन सबसे बड़ी वजहें।

खराब व्यक्तिगत स्वच्छता

फोड़े और फुंसी का सबसे बड़ा कारण खराब व्यक्तिगत स्वच्छता है। जब हम नियमित रूप से अपने शरीर को साफ नहीं करते हैं, तो त्वचा पर तेल, पसीना और बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं। ये बैक्टीरिया रोमछिद्रों में घुसकर संक्रमण पैदा करते हैं, जिससे फोड़े-फुंसी हो जाते हैं। इसलिए, नियमित रूप से स्नान करना और त्वचा को साफ रखना बहुत जरूरी है।

कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली

अगर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है, तो आपका शरीर बाहरी बैक्टीरिया और कीटाणुओं से ठीक से लड़ नहीं पाता। डायबिटीज के मरीज, या ऐसे लोग जो लंबे समय से किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, उनमें फोड़े-फुंसी होने का खतरा अधिक होता है। स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाया जा सकता है।

पाचन क्रिया की वजह से होते हैं फोड़ें

जब हमारी पाचन क्रिया सही से काम नहीं करती, तो शरीर भोजन से विषाक्त पदार्थों को पूरी तरह से बाहर नहीं निकाल पाता। ये विषाक्त पदार्थ रक्त में जमा होने लगते हैं और शरीर उन्हें त्वचा के माध्यम से बाहर निकालने की कोशिश करता है। इस प्रक्रिया में ये विषाक्त पदार्थ त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं, जिससे संक्रमण होता है और फोड़े या फुंसी होने लगते हैं।

हार्मोनल असंतुलन और तनाव

इन तीन प्रमुख कारणों के अलावा एक कारण और है जिसकी वजह से फोड़े और फुंसी होते हैं, और वो है हार्मोनल असंतुलन। खासकर किशोरावस्था के दौरान, मुंहासे और फुंसी का एक प्रमुख कारण होता है। इसके अलावा तनाव भी शरीर में कोर्टिसोल जैसे हार्मोन को बढ़ाता है, जो त्वचा में तेल उत्पादन को बढ़ा सकता है, जिससे रोमछिद्र बंद हो जाते हैं और फोड़े-फुंसी हो सकते हैं। तनाव को नियंत्रित करके इस समस्या को कम किया जा सकता है।

बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां

फोड़े-फुंसी से बचने के लिए, अपनी त्वचा को हमेशा साफ रखें। संतुलित आहार लें, और खूब पानी पिएं। अगर आपको बार-बार यह समस्या हो रही है, तो डॉक्टर से सलाह लें, क्योंकि यह किसी अंदरूनी बीमारी का संकेत हो सकता है।

इस योजना में कर रहे हैं आवेदन तो जालसाजों से रहें सावधान, वरना खाली हो सकता है बैंक खाता

पीएम किसान योजना के नाम पर जालसाज आपको ठग भी सकते हैं। इसलिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है।

केंद्र सरकार और राज्य सरकारें कई तरह की लाभकारी और कल्याणकारी योजनाओं का संचालन करते हैं। ये वे योजनाएं हैं जिनके जरिए अलग-अलग वर्गों को लाभ देने का काम किया जाता है। आप भी अगर ऐसी किसी योजना के लिए पात्र हैं तो आवेदन कर उस योजना से जुड़ सकते हैं। मौजूदा समय में देश में कई तरह की योजनाएं चल रही हैं। इनमें से एक योजना तो किसानों के लिए चल रही है जिसे भारत सरकार चलाती है।

दरअसल, इस योजना का नाम प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना है। केंद्र सरकार की इस योजना का लाभ सिर्फ उन किसानों को देने का प्रावधान है जो इस योजना के लिए पात्र हैं। इस योजना के तहत आर्थिक लाभ दिए जाते हैं, लेकिन अगर आप इस पीएम किसान योजना से नहीं जुड़े हैं और अब जुड़ना चाह रहे हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। वरना आपके साथ ठगी तक हो सकती है। तो चलिए जानते हैं आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। अगली स्लाइड्स में आप इस बारे में जान सकते हैं...

इन बातों का रखें ध्यान

नंबर 1

जालसाज लोगों को ठगने के लिए कई तरह की नकली एप या वेबसाइट बनाकर रखते हैं, जो देखने में एकदम असली जैसी लगती है। पर आपको इनसे बचकर रहना है। हमेशा आधिकारिक वेबसाइट pmkisan.gov.in या आधिकारिक एप किसान एप से ही आवेदन करें।

नंबर 2

अगर आपके पास कोई कॉल आता है जिसमें आपको कहा जाता है कि आपको हम एक लिंक भेज रहे हैं आप उस पर क्लिक करके पीएम किसान योजना से जुड़ सकते हैं, तो ऐसे किसी लिंक पर क्लिक न करें और न ही ऐसी कॉल पर अपनी कोई भी जानकारी साझा करें। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपके साथ ठगी हो सकती है। सरकार की तरफ से कभी ऐसे कॉल नहीं किए जाते हैं।

नंबर 3

आपको ठगने के लिए जालसाज सोशल मीडिया और व्हाट्सएप का भी सहारा लेते हैं। यहां पर वे लोगों को मैसेज भेजते हैं जिसमें वे उन्हें पीएम किसान योजना में बिना किसी शर्त के जुड़ने का लालच देते हैं, लेकिन आपको ऐसे किसी भी मैसेज पर विश्वास करने से बचना है क्योंकि जो लोग पात्र हैं सिर्फ वे ही योजना में आवेदन कर सकते हैं और वो भी आधिकारिक वेबसाइट और एप से। ये मैसेज आपको ठगने के लिए हो सकते हैं, इसलिए इन पर कभी विश्वास न करें।

आवेदन का ये है सही तरीका

अगर आपको पीएम किसान योजना से जुड़ना है तो किसी के चक्कर में न पड़ें और आप खुद ही पीएम किसान योजना की आधिकारिक वेबसाइट pmkisan.gov.in या आधिकारिक किसान एप से आवेदन कर सकते हैं

आप अपने नजदीकी सीएससी सेंटर जाकर भी आवेदन करवा सकते हैं

ऐपल ने भारत में बढ़ाया आईफोन का उत्पादन, अमेरिका होगी आपूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। ऐपल भारत में 5 कारखानों में आईफोन उत्पादन का विस्तार कर रही है, जिसमें हाल ही में खोले गए 2 प्लांट भी शामिल है। इसका उद्देश्य अमेरिका में भेजे जाने वाले नए मॉडल्स के लिए चीन पर अपनी निर्भरता कम करना है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी अगले महीने लॉन्च होने वाले पहले भारत में सभी 4 आईफोन 17 मॉडल का उत्पादन कर रही है। यह पहली बार है कि जब सभी नए वेरिएंट दक्षिण एशियाई देश से ही भेजे जाएंगे।

टैरिफ के प्रभाव को कम करने के प्रयास में ऐपल ने अमेरिकी बाजार के लिए आईफोन के उत्पादन का अधिकांश हिस्सा चीन से भारत स्थानांतरित करने के बाद स्थानीय फैक्ट्रियों की संख्या बढ़ा दी है। इस विस्तार में तमिलनाडु के होसुर में टाटा समूह का प्लांट और बेंगलुरु हवाई अड्डे के पास फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी समूह का उत्पादन केंद्र शामिल है। सूत्रों के अनुसार, टाटा समूह के प्लांट अगले 2 सालों में भारत के आधे आईफोन उत्पादन करेंगे। ऐपल के भौगोलिक बदलावों के साथ भारत से आईफोन निर्यात का मूल्य काफी बढ़ गया है। पिछले 4 महीनों की अवधि में देश से 7.5 अरब डॉलर (करीब 655 अरब रुपये) मूल्य के आईफोन निर्यात किए गए। यह पिछले पूरे वित्तीय वर्ष में निर्यात किए 17 अरब डॉलर (करीब 1,487 अरब रुपये) के आईफोन की तुलना में तेजी दर्शाता है। इस साल की शुरुआत में भी अमेरिका की अधिकांश मांग पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाया था।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में 8 .5 फीसदी का उछाल, दूसरी कंपनियों को भी हुआ फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में मंगलवार (19 अगस्त) को 8.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। यह कंपनी के संस्थापक और अध्यक्ष भाविश अग्रवाल की ओर से इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में बाजार हिस्सेदारी और लाभप्रदता में सुधार लाने की आक्रामक रणनीति का खुलासा करने के बाद हुआ है। शेयर ने 44.73 रुपये का उच्चतम स्तर छुआ, हालांकि यह अगस्त, 2024 के 157.53 रुपये के 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर से लगभग 72 फीसदी नीचे है।

कंपनी के संस्थापक और अध्यक्ष भाविश अग्रवाल अग्रवाल ने मनीकंट्रोल से बातचीत में अपनी रणनीति का खुलासा किया था। उन्होंने कहा कि कंपनी दोपहिया ईवी सेगमेंट में 25-30 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की उम्मीद कर रही है, जिसे वर्टिकल इंटीग्रेशन, तकनीकी उन्नयन और उत्पाद विस्तार से मदद मिलेगी। जुलाई में उसकी बाजार हिस्सेदारी 17.35 फीसदी रही, जो पिछले साल इसी महीने की 38.83 फीसदी से काफी कम है। पंजीकरण भी जुलाई, 2024 में 41,802 से घटकर 17,848 रह गया।

ओला के अलावा ऑटोमोबाइल सेक्टर के अन्य शेयरों में दूसरे दिन मंगलवार को बढ़त जारी रही। बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, हुंडई मोटर कंपनी, आयशर मोटर्स और मारुति सुजुकी के शेयरों में 6 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज हुई। निफ्टी ऑटो इंडेक्स में 1 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है, जो सोमवार को लगभग 5 प्रतिशत की बढ़त के बाद और भी मजबूत हुआ। यह बढ़त सरकार की ओर से वाहनों में जीएसटी में कटौती खबरों के कारण आई है।

आखिर क्यों ट्रंप ने भारत पर लगाया 50% टैरिफ? व्हाइट हाउस ने रूस-यूक्रेन युद्ध को बताया वजह

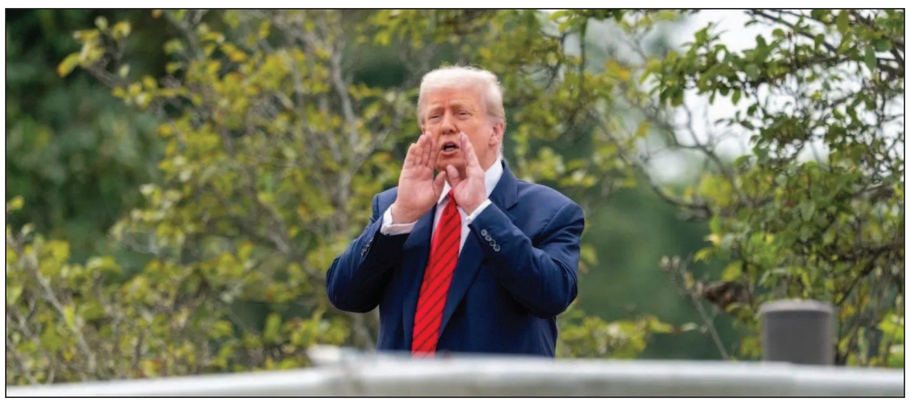

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका भारत पर लगाए टैरिफ को लेकर लगातार नए-नए दावे कर रहा है। इसी बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन विवाद को खत्म करने के लिए भारत पर टैरिफ लगाया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच चल रहा संघर्ष खत्म हो जाए। बता दें कि अमेरिका ने पहले भारत पर 25% का टैरिफ लगाया था। लेकिन कुछ दिन बाद 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ बढ़ाकर इसे दोगुना कर दिया है। अब भारत पर अमेरिका द्वारा कुल 50% टैरिफ लगाया जाता है।

युद्ध समाप्त करने के लिए ट्रंप ने उठाए कई कदम

प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ने रूस यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए लोगों पर जबरदस्त दबाव डाला है। उनका कहना था कि इसमें भारत पर लगाए गया अतिरिक्त टैरिफ और अन्य कदम भी शामिल है। लेविट ने कहा कि ट्रंप हमेशा से चाहते हैं कि रूस और यूक्रेन संघर्ष को विराम दिया जाए।

हो सकती है त्रिपक्षीय बैठक

लेविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते है कि दोनों देशों के बीच चल रहा संघर्ष जल्द से जल्द खत्म हो। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि वह पुतिन के साथ वार्ता कर इस संघर्ष को खत्म करें। लेविट ने कहा कि इस बैठक में नाटो महासचिव सहित सभी यूरोपीय नेता शामिल हुए और सभी इस बात पर सहमत है कि ट्रंप ने शानदार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बैठक के बाद राष्ट्रपति को उम्मीद है कि दोनों नेता एक दूसरे के साथ बैठकर इस युद्ध को खत्म करने के को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

पुतिन के 48 घंटे बाद की यूरोपीय नेताओं से मुलाकात

लेविट ने कहा कि दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप द्वारा किए गए प्रयासों का ही नतीजा है कि पुतिन से उनकी बैठक के 48 घंटे के भीतर युरोपीय नेता व्हाइट हाउस में उपस्थित हो सके। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन और ट्रंप की बैठक के 48 घंटे के बाद राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में सभी यूरोपीय नेताओं से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच शांति समझौते को लेकर अपने विचारों को साझा किया और वे सभी ट्रंप के प्रयास की सराहना कर रहे हैं।

ट्रंप राष्ट्रपति होते तो युद्ध नहीं होता

लविट ने अपने बयान में फिर इस दावे को दोहराते हुए कहा कि अगर उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप होते तो रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के नेता ट्रंप के आभारी है कि वह दोनों देशों के बीच शांति समझौते करवाने का प्रयास कर रहे हैं। क्योंकि इससे पिछली सरकार ने ऐसा कुछ नहीं किया था और ये बात रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने खुद भी स्वीकार की थी।

इमरान खान ने जेल से किया खेल! पाकिस्तान में अब PTI को ही मिलेगी LoP की कुर्सी

इस्लामाबाद, एजेंसी। आदियाला जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने नेशनल असेंबली और सीनेट को लेकर बड़ी सियासी बिसात बिछाई है। कुछ दिन पहले शहबाज शरीफ की सरकार ने इमरान की तरफ से नियुक्त नेता प्रतिपक्ष को हटवा दिया था। इसके बाद से यह चर्चा थी कि अब नए सिरे से किसी छोटी पार्टियों को यह पद दिया जाएगा, लेकिन जेल से ही इमरान ने खेल कर दिया।

इमरान खान की पार्टी ने नेता प्रतिपक्ष के लिए जमात के फजल उर रहमान के साथ गठबंधन किया है। अब इस गठबंधन के सामने शहबाज और जरदारी की साजिश शायद की कामयाब हो पाए।

समा टीवी के मुताबिक फजल उर रहमान का कहना है इस पद पर पीटीआई का हक है। हम इसे किसी और को नहीं लेने देंगे। सरकार विपक्ष के साथ बातचीत करना भी मुनासिफ नहीं समझ रही है। आने वाले वक्त में इसका करारा जवाब देंगे।

इमरान को नेता प्रतिपक्ष की जरूरत क्यों?

पाकिस्तान की सत्ता पर वैसे तो सेना का कंट्रोल है, लेकिन बड़े फैसलों में प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष को भी बुलाया जाता है। इतना ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष खुलकर अपनी बात रख सकते हैं। नेता प्रतिपक्ष के बयान को वहां की मीडिया भी कवरेज करती है। जेल में बंद इमरान के लिए यह सबसे अहम है।

पाकिस्तान में नेता प्रतिपक्ष के पद पर नवाज शरीफ, बेनजीर भुट्टो, परवेज इलाही, खुर्शीद शाह, चौधरी निसार अली खान जैसे बड़े नेता रह चुके हैं। बेनजीर, नवाज और शहबाज शरीफ तो बाद में प्रधानमंत्री भी नियुक्त हुए।

LoP के लिए इमरान के पास पर्याप्त वोट

नेता प्रतिपक्ष चुनने के लिए इमरान खान की पार्टी के पास प्रयाप्त वोट हैं। पाकिस्तान की नेशलन असेंबली में कुल 337 सीटे हैं। इनमें से 90 सीट इमरान की पार्टी के पास है। हालांकि, इमरान के अधिकांश सदस्य निर्दलीय या किसी छोटी पार्टी के सिंबल से जीतकर सदन पहुंचे हैं।

फजल उर रहमान के पास 10 सीटें हैं। इसी तरह पाकिस्तान की सीनेट में कुल 96 सीटें हैं, जिनमें से 14 सीट पीटीआई के पास है। जमात के पास 7 सीट है। यानी दोनों को मिलाकर 21 सीट है। नेता प्रतिपक्ष के लिए 10 सीटों की ही यहां पर जरूरत है।

जमात को साधकर बड़ा गेम करने की तैयारी

इमरान खान फजल उर रहमान को साध कर बड़ा गेम करने की तैयारी में हैं। फजल उर के पास बलूचिस्तान और पंजाब प्रांत के साथ-साथ खैबर में भी मजबूत जनाधार है। एक वक्त तक सरकार किसी की भी हो, बड़े पदों पर फजल उर जरूर बैठते थे। हालांकि, इमरान की तरह ही सेना प्रमुख आसिम मुनीर से उनकी अनबन हो गई। तब से वे सियासत में साइड लाइन चल रहे हैं। इमरान और फजल उर अगर खुलकर साथ आ जाते हैं तो पाकिस्तान का सियासी सिनेरियो बदल सकता है।

लेबनान में नहीं गलेगी अमेरिका की दाल? हिजबुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई करने से सेना का इनकार

लेबनान। लेबनान में हिजबुल्लाह को हथियार डालने पर मजबूर करने की अमेरिकी कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी दूतों ने लेबनानी नेतृत्व पर दबाव डालने की कोशिश की। मगर सेना ने साफ कर दिया है कि वो प्रतिरोध के खिलाफ कोई ऐसा कदम नहीं उठाएगी जिससे देश की शांति को नुकसान पहुंचे।

17 अगस्त को अमेरिकी प्रतिनिधि थॉमस बैरक और मॉर्गन ऑर्टेगस बेयरूत पहुँचे। उन्होंने राष्ट्रपति जोसेफ औन, प्रधानमंत्री नवाफ सलाम और संसद अध्यक्ष नबीह बेरी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान बैरक ने सेना प्रमुख जनरल रोडोल्फ हेकल से सीधे पूछा कि क्या सेना हिजबुल्लाह को हथियार डालने पर मजबूर कर सकती है। जनरल हेकल का जवाब साफ था- सेना ऐसा कोई क़दम नहीं उठाएगी जो देश की शांति के खिलाफ हो।

सरकार की दुविधा और जनता का रुख

सलाम सरकार ने हाल ही में एक रोडमैप पास किया है जिसके तहत अगले साल तक हिजबुल्लाह को निशस्त्र करने की योजना है। लेकिन सरकार अब खुद संकट में फँसी है। लेबनानी अधिकारियों ने अमेरिकी दूतों से कह दिया है कि अगर कोई कदम उठाना है तो इजराइल को भी सामानांतर कदम उठाने होंगे। वहीं, सरकार को उम्मीद थी कि शिया समुदाय आसानी से मान जाएगा, लेकिन उल्टा उन्होंने ऐलान कर दिया कि वे अपने हथियारों की रक्षा करेंगे चाहे कर्बला जैसी जंग क्यों न लड़नी पड़े।

लेबनान के मुफ्ती ने भी दिया कड़ा संदेश

वहीं जाफरी मुफ्ती अहमद कबालान ने लेबनानी राष्ट्रपति औन को संदेश देकर चेताया कि हिजबुल्लाह को कमज़ोर करने की युद्धोन्मादी बयानबाजी और नफरत देश को और गहरे संकट में धकेल सकती है। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह के हथियार सेना के साथ मिलकर लेबनान की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। इधर इजराइल ने भी दक्षिणी लेबनान में अपनी चौकियों को मजबूत किया है। इजराइली सेना प्रमुख एयाल जामिर ने कब्जाए इलाकों से पीछे हटने से इनकार कर दिया। इससे लेबनानी सरकार की मुश्किलें और बढ़ गई हैंय

क्यों फेल हो रहा है अमेरिकी प्लान?

अमेरिकी दूतों ने बातचीत में यह दावा किया कि इजराइल को भी अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करना होगा। लेकिन लेबनानी नेताओं को इन वादों पर भरोसा नहीं है। याद दिलाया जा रहा है कि पिछले साल अमेरिका शांति की बातें कर रहा था, और उसी दौरान हिजबुल्लाह के वरिष्ठ कमांडर फौआद शुकर की हत्या हो गई। इसी तरह हालिया युद्ध की शुरुआत में अमेरिकी आश्वासन के बावजूद हिजबुल्लाह प्रमुख सैय्यद हसन नसरल्लाह की हत्या हुई।

अलास्का में पुतिन और ट्रंप की बैठक के बाद इस बुजुर्ग की बल्ले-बल्ले, गिफ्ट में मिली 19 लाख की बाइक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक भले ही बिना किसी ठोस नतीजे के खत्म हो गई हो, लेकिन इससे एक बुजुर्ग की किस्मत चमक गई। एंकोरेज नगरपालिका में फायर इंस्पेक्टर रह चुके मार्क वॉरेन अचानक रूस में चर्चा का विषय बन गए हैं। रूस सरकार ने उन्हें तोहफे में 19 लाख रुपये की नई बाइक भेंट कर दी है। दरअसल, वॉरेन अपने पुराने Ural ब्रांड की मोटरसाइकिल चला रहे थे, जब एक रूसी टीवी चैनल ने उनसे बातचीत की। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि इस बाइक के पुर्जे जुटाने में उन्हें अक्सर दिक्कत होती है। यह बातचीत रूस में वायरल हो गई, और देखते ही देखते कहानी ने नया मोड़ ले लिया। 13 अगस्त को, यानी अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन से ठीक दो दिन पहले, वॉरेन को रूसी पत्रकार का फोन आया।

एमसीयू का सत्रारंभ कार्यक्रम 'अभ्युदय' आरंभ

एमसीयू के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय मीडिया में दिया ऐतिहासिक योगदान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने पिछले पैंतीस वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। यहां से शिक्षा प्राप्त पत्रकारों ने मीडिया की दुनिया में मानक स्थापित किए हैं। वे यहां माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के अकादमिक सत्र 2025-2026 का सत्रारंभ समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे। इस मौके पर प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, राज्य शासन में मंत्री कृष्णा गौर, मेयर मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, उमाकांत शर्मा, जनसम्पर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाडे. विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 12 फीट उंची प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस दौरान अतिथियों ने परिसर में पौधरोपण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा

कि समाज के संचालन में पत्रकारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद आदि पत्रकार हैं जिनके जीवन और कार्यव्यवहार से हमें ज्ञात होता है कि अगर पत्रकारिता में लोककल्याण का भाव होगा तो पत्रकारिता बेहतर होगी। मुख्यमंत्री ने रामायणकाल में हनुमानजी को भी एक खोजी पत्रकार के बतौर महत्वपूर्ण संदेश देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता विश्वविद्यालय की साख पूरे देश में है। माखनलाल चतुर्वेदी जी की पत्रकारिता से जुड़े रतौना प्रसंग तथा ब्रिटिश हुकूमत की क्रूरता पर चर्चा करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि एमसीयू ने आज भी उस परंपरा को जीवित रखा है।

समाज का छपे हुए शब्दों पर भरोसा कायम : डॉ. कुमार विश्वास

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जाने माने कवि और रामकथा विशेषज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने नवागत विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय में प्रवेश कर रहे हैं जिसकी सबसे बड़ी अनिवार्यता विश्सनीयता है। उन्होंने कहा कि समाज का आज भी छपे हुए और बोले हुए शब्दों पर भरोसा कायम है। इस विश्वास को कायम रखना आने वाली पत्रकार पीढ़ी की जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि जाने-माने कवि डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि देश की पत्रकारिता में पिछले 10-11 वर्षों में

बहुत अंतर आया है। आज मीडिया में थोपे गए विषय नेपथ्य में जा रहे हैं और देश तथा समाज से जुड़े जो अहम विषय पहले नजरअंदाज कर दिये जाते थे आज वे पत्रकारिता में प्रमुखता से नजर आने लगे हैं। डॉ. विश्वास ने कहा कि किसी विचार को केंद्र में रखते हुए भी तटस्थ होकर लिखना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता के युवा विद्यार्थी परम्परा से पत्रकारिता के पाठ सीख सकते हैं। भारत के ज्ञान और उसकी परंपरा के प्रति किसी भी प्रकार की ग्लानि का भाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने रामायण से जुड़े अनेक प्रसंगों में संचार के महत्व तथा हनुमान जी, अंगद की निर्भीकता, तटस्थता, समपर्ण जैसे गुणों को पत्रकारिता के संदर्भों में समझाया। विद्यार्थियों को अपने संदेश में उन्होंने कहा कि युवा अध्ययनशील बनें और नैतिकता के साथ कार्य करते हुए राष्ट्रधर्म को सर्वोच्च रखें। सत्रारंभ के पहले दिन साफ्ट स्किल्स पर संवाद करते हुए वरिष्ठ संपादक और लेखक एन. रघुरामन ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए लोगों से व्यवहार करने का कौशल,पूर्वाग्रहों से मुक्त रहना, क्रोध को काबू में रखने के कौशल जैसे गुण बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में सॉफ्ट स्किल्स एक आवश्यक गुण है। इसके बाद एनिमेशन की दुनिया से जुड़े वरिष्ठ फिल्मकार तथा विशेषज्ञ श्री आशीष कुलकर्णी ने एआई के दौर में बदलती तकनीकों पर संवाद किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में हर कार्यक्षेत्र में तकनीक का समावेश हो चुका है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता पर हमला : आरोपी की मां बोलीं– मेरा बेटा राजनीति से नहीं जुड़ा, उसे जानवरों से प्रेम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार सुबह हुए हमले ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। लेकिन गुजरात के राजकोट निवासी हमलावर राजेश साकरिया की मां का कहना है कि उनके बेटे का किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। उनका कहना है कि राजेश तो केवल जानवरों के प्रति लगाव के चलते दिल्ली गया था और सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा था।

मुख्यमंत्री गुप्ता अपने सिविल लाइंस में मौजूद कैम्प कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम कर रही थीं। उसी दौरान राजेश साकरिया नामक व्यक्ति वहां पहुंचा। सूत्रों के मुताबिक, उसने पहले मुख्यमंत्री को कुछ कागज सौंपे और फिर अचानक उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने तुरंत उसे काबू में लेकर हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू कर दी।

41 वर्षीय राजेश साकरिया राजकोट शहर के कोठारिया रोड पर स्थित गोकुल पार्क में अपने माता-पिता, पत्नी और बेटे के साथ रहता है। पेशे से वह ऑटो-रिक्शा चालक

है। घटना की खबर मिलते ही राजकोट पुलिस उसके घर पहुंची और परिवार से पूछताछ की।

मां बोली- उसे जानवरों से प्रेम

वहीं इस घटना के बाद राजेश की मां, भानुबेन साकरिया, ने मीडिया को बताया, 'मेरा बेटा किसी भी राजनीतिक पार्टी से नहीं जुड़ा है। वह बचपन से ही जानवरों से प्यार करता है। उसे कुत्ते, गाय और पक्षी बेहद प्रिय हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में आदेश दिया था कि दिल्ली की सड़कों पर घूम रहे सारे आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में रखा जाए। इसी आदेश से वह परेशान था।' उन्होंने आगे कहा, 'कुछ दिन पहले वह हरिद्वार गया था। वहीं से हमें फोन किया और बताया कि वह दिल्ली जा रहा है ताकि कुत्तों के समर्थन में होने वाले विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा ले सके। उसने इतना ही कहा कि वह लौटकर आ जाएगा। हमें और कुछ पता नहीं।'

मामले में पुलिस की कार्रवाई

दिल्ली पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हमला पहले से योजनाबद्ध था या अचानक किया गया। वहीं, राजेश की मां लगातार यही दोहरा रही हैं कि उनके बेटे का इरादा किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं था, बल्कि वह सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के आदेश से व्यथित होकर प्रदर्शन में शामिल होने गया था।

सीएम आवास की रेकी करने का आरोप

वहीं इस मामले में एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर राजेश खिमजी को 19 अगस्त को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शालीमार बाग स्थित आवास की रेकी करते हुए देखा जा रहा है।

राजामौली ने लॉन्च किया राव बहादुर का टीजर, पैन-इंडिया फिल्म की दिखी अनोखी झलक

सबसे बड़ा दुश्मन है शक और महेश बाबू प्रेजेंट्स वेंकटेश की राव बहादुर के टीजर में दिखाया गया है कि कहानी का हीरो इसी दुश्मन यानी शक के वश में है। इस फिल्म को जीएमबी एंटरटेनमेंट, ए+एस मूवीज, श्रीचक्रास एंटरटेनमेंट्स और महायान मोशन पिक्चर्स ने बनाया है।

महेश बाबू प्रेज़ेंट्स, वेंकटेश महा की फिल्म राव बहादुर का फर्स्ट लुक पोस्टर आते ही छा गया था। इसमें सत्यदेव का जबरदस्त ट्रांसफ़ॉर्मेशन देखने को मिला, जिसने सबको हैरान कर दिया। पोस्टर ने साफ कर दिया था कि कुछ अलग और खास आने वाला है। जैसे-जैसे लोगों का उत्साह बढ़ता गया, मेकर्स ने रिलीज़ को लेकर सबको उत्सुक बनाए रखा और अब इंतजार खत्म हो चुका है। यूनिक और दिलचस्प अंदाज में बनी इस फिल्म का धमाकेदार टीजर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है और सबसे खास बात यह है कि राव बहादुर के टीजर को खुद एस।एस। राजामौली ने लॉन्च किया है।

राव बहादुर का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा टीजर अब रिलीज हो गया है। इसमें सत्यदेव नजर आ रहे हैं और यह टीजर पैन-इंडिया फिल्मों के लिए एक नया रिकॉर्ड बना रहा है। पहले लुक में जहां सत्यदेव का शानदार बदला हुआ अंदाज दिखा था, वहीं टीजर हमें एक बड़ी और अलग दुनिया में ले जाता है। ये टीजर अपने अनोखे स्टाइल और शानदार विजुअल्स से सबको आकर्षित कर रहा है। अब दर्शकों का जोश और भी बढ़ गया है, क्योंकि राव बहादुर वाकई में एक अलग और जबरदस्त पैन-इंडिया फिल्म बनने वाली है।

राव बहादुर का टीजर हमें एक रहस्यमयी दुनिया में ले जाता है, जहां सस्पेंस और रोमांच से भरी कहानियां छिपी हुई हैं। इसमें एक अलग ही यूनिवर्स दिखाया गया है, जिसमें ढेरों कहानियां आगे खुलने का इंतजार कर रही हैं। टीजर में सत्यदेव का नया और बदला हुआ लुक देखने लायक है, उनकी एक्टिंग भी कमाल की लग रही है।

फिल्म को एक मनोवैज्ञानिक ड्रामा बताया गया है, जो रहस्य और हकीकत के मिलन पर आधारित है। मेकर्स ने इसे मजाकिया अंदाज में 'एक टीज़र भी नहीं' कहा है, लेकिन सच में ये आने वाली पैन-इंडिया फिल्म की एक झलक है, जो बेहद खास होने वाली है।

बड़े प्रोड्यूसर्स, एक खास सोच वाले डायरेक्टर और दमदार एक्टिंग करने वाले हीरो के साथ, राव बहादुर आने वाले सालों में देखने लायक सबसे खास भारतीय फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

सुपरस्टार महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ, राव बहादुर एक नई फिल्म है, जिसे प्रसिद्ध निर्देशक वेंकटेश माहा बना रहे हैं। वेंकटेश माहा ने पहले कांचरापालेम और उमा महेश्वर उग्र रूपस्य जैसी सफल फिल्में बनाई हैं।

यह फिल्म ए+एस मूवीज और स्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स के साथ बनी है, जो तेलुगु सिनेमा की लोकप्रिय कंपनियां हैं। ए+एस मूवीज ने पहले जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ मेजर बनाई थी और स्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स ने केए जैसी मशहूर फिल्म का समर्थन किया है। राव बहादुर की रिलीज़ गर्मियों 2026 में होगी।

'मेरी चुप्पी का मतलब ये नहीं आप मेरा अपमान करें', चहल के साथ तलाक पर धनश्री ने कही ये बात

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ तलाक के बाद पहली बार यूट्यूबर-डांसर और एक्ट्रेस धनश्री वर्मा ने इस पर बात की है। उन्होंने तलाक के वक्त से लेकर इसके बाद हुई सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग तक पर खुलकर अपनी राय रखी। तलाक को एक इमोशनल पल बताते हुए उन्होंने कहा कि वो उस वक्त पूरी तरह से टूट गई थीं और सबके सामने ही रोने लगी थीं।

ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक पॉडकास्ट के दौरान धनश्री ने तलाक को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि तलाक को कोई भी सेलिब्रेट नहीं करता। यह एक भावुक पल होता है। यही वजह है कि जब हम तलाक वाले दिन कोर्ट में पहुंचे थे और जब ये प्रक्रिया शुरू हुई, तो मैं रो पड़ी थी। उन्होंने कहा कि ये ऐसा वक्त होता है जब आपको काफी मेच्योरिटी दिखानी पड़ती है।

मैंने ये किया, मैंने ऐसे कोई बयान भी नहीं दिए और फैमिली की प्राइवेसी का पूरा ध्यान रखा। जब आप शादी करते हैं तो आप एक-दूसरे से प्यार में होते हैं। लेकिन जब आप अलग होते हैं और आप परिवार की इज्जत और प्राइवेसी को ध्यान में रखते हुए कुछ नहीं कहते हो। इसका मतलब ये नहीं होता कि किसी को आपका फायदा उठाने का हक मिल गया है। आपको उसका अपमान करने का कोई हक नहीं है।

चहल की 'बी योर ओन शुगर डैडी' वाली टी-शर्ट पर धनश्री का था ये रिएक्शन

तलाक की कार्यवाही के दौरान युजवेंद्र चहल की 'बी योर ओन शुगर डैडी' वाली टी-शर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए धनश्री ने कहा कि जब मैं कोर्ट से निकलकर कार में बैठी खुद को समझा रही थी, तभी मैंने अपने फोन में सोशल मीडिया पर इस तरह की चीजें देखीं। इसे देखकर मैं हैरान रह गई। इसके बाद मैंने सोचा कि क्या मैं इसके लिए रो रही थी। आखिर अब मैं क्यो रोऊं। जब सामने वाला इस तरह की हरकत कर रहा है, तो मैं क्यों रोऊं। उसी दिन मैंने ये तय किया कि अब मुझे रोना नहीं है।

आपका व्यवहार, आपके व्यक्तित्व को बताता है

धनश्री का मानना है कि जिस दिन तलाक हुआ उस दिन आप कैसा रिएक्ट कर रहे हो, वो आपके व्यक्तित्व के बारे में बताता है। वो ये दिखाता है कि आप किस तरह के व्यक्ति हो और उन्होंने उस दिन जैसा बर्ताव किया वो उनका व्यक्तित्व दिखाता है। क्योंकि हमें वैसे वक्त में मेच्योरिटी दिखानी चाहिए।

सोशल मीडिया पर और ट्रोलिंग पर नहीं है मेरा कंट्रोल

कोरियोग्राफर-एक्ट्रेस ने ट्रोलिंग और सोशल मीडिया पर उनको लेकर की जाने वाली आलोचनाों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर पूरी कहानी जाने बिना ही महिलाओं पर लेबल लगा देते हैं। लेकिन ऐसे कमेंट्स और ये ट्रोलिंग हमेशा से होती आई है। ये मेरे कंट्रोल में नहीं है और मुझे अब इससे कोई खास फर्क भी नहीं पड़ता है। मेरा ध्यान सिर्फ मेरे काम और मेरे करियर पर रहता है।

ट्रोलिंग को लेकर उन्होंने कहा कि शादी से पहले भी जब मैं यूट्यूब पर अपने डांस वीडियो पोस्ट करती थी, तो लोग गलत कमेंट्स करते थे। इसके बावजूद मैंने अपने काम पर ध्यान दिया। मुझे अपने काम पर गर्व है और मैंने खुद के प्रति सच्चा रहने का संकल्प लिया है। क्योंकि अब मैं लोगों के कमेंट के चलते अपना प्रोफेशन तो नहीं बदल सकती न। इस सबके बाद भी मैं आज भी अच्छा काम कर रही हूं और मुझे लगातार काम मिल रहा है।

हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा से आयुष्मान खुराना और रशिमका मंदाना का फर्स्ट लुक आउट, पिशाच अवतार में छाए नवाजुद्दीन

हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा से आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। बीती 15 अगस्त को फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। 15 अगस्त 2025 को हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 को पूरा एक साल हो गया था, जिसके मौके पर थामा की झलक दिखाई गई थी। आज 18 अगस्त को फिल्म थामा से इसकी स्टारकास्ट के फर्स्ट लुका जारी कर दिए गये हैं।

थामा के पहले पार्ट में नवाजुद्दीन पिशाच के रोल में होंगे और उनका फर्स्ट लुक बेहद डरावना नजर आता है। का अंत नहीं होगा और यह रोल फिल्म के दूसरे पार्ट में भी दर्शकों का पसीना छुड़ाएगा। वहीं, आयुष्मान और रश्मिका के फर्स्ट लुक की बात करें तो दोनों का अंदाज बड़ा इंटेंस लुक वाला है। वहीं, परेश रावल को उनके फर्स्ट लुक में हैरान परेशान देखा जा रहा है। फिल्म में आयुष्मान का किरदार आलोक, रश्मिका का ताड़का रोशनी, परेश रावल का रोल मिस्टर राम बजाज गोयल का है, जो हमेशा कॉमेडी में ट्रेजडी ढूंढते हैं, नवाज के वैंपायर रोल का नाम यक्षासन है, जो अंधेरे का बादशाह है। कल 19 अगस्त 11।11 बजे फिल्म से नया सरप्राइज मिलेगा।

रिपोर्ट्स की मानें तो, फिल्म का दूसरा पार्ट भी बनेगा, जिसमें ना सिर्फ नवाजुद्दीन बल्कि आयुष्मान, रश्मिका और

परेश रावल भी नजर आएंगे। फिल्म में आयुष्मान एक इतिहास के जानकर बनेंगे और परेश रावल भूतिया स्टडी करने वाले बाबा। बता दें। स्त्री और भेड़ियि की तरह रोशन शंकर ने ही फिल्म थामा का स्क्रीनप्ले किया है और डायलॉग भी लिखे हैं। अब देखना है कि मडोक के पिटारे से आ रही एक हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा दर्शकों को कितना डराती और हंसाती है। फिल्म इस दिवाली पर रिलीज होने जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website : aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय
सम्पर्कः 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com